



22 NOV 1978

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 44]

नई विल्सी, शनिवार, नवम्बर 4, 1978/कात्कि 13, 1900

No. 44]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 4, 1978/KARTIKA 13, 1900

इस भाग में विशेष पृष्ठ संख्या ही जाती है जिससे कि यह घलग संकलन के क्षेत्र में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय की ओङ्कार) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य खेत्र प्रशासनों को ओङ्कार) के अधीन प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम
जिनमें साधारण प्रकार के प्रावेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the
Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central
Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

नई विल्सी, 17 अक्टूबर, 1978

का०का० 3136—लोक प्रतिनिधित्व भवित्वियम, 1951
(1951 का 43) की घारा 22 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त भावितयों
का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग मह निवेश देता है कि उसकी
तारीख 29 जनवरी, 1977 की प्रधिसूचना सं. 434/उ०प्र०स०स०/
77(1) में निर्वाचित संघोदन किए जाएंगे, यथात्:—

उक्त प्रधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तरम् 2 में कम संख्या 58
58-फतेहपुर संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र का रिटिंग आफिसर के सामने, मव
सं. 1 पर विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, “1. भ्रातिरिक्त जिला मनिस्ट्रेट
(परियोजना) फतेहपुर”। प्रविष्टि रखी जाएगी।

[सं. 434/उ०प्र०-स००स०/78]

पुर परliamentary constituency for the existing entry
against item No. 1 the entry “1. Additional District
Magistrate (Project), Fatehpur”, shall be substituted.
[No. 434/UP-HP/78]

प्राप्ति

का०का० 3137—निर्वाचन आयोग की यह समावान ही चुका है कि
जून, 1977 में हुए विधान सभा के लिए साधारण/निर्वाचन के लिए पंजाब
के 72-नामा निर्वाचन खेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्यारेलाल
मकान वं. 218/८, लाहौरी गेट, गांधी नगर, पटियाला (पंजाब) लोक,
प्रतिनिधित्व भवित्वियम, 1951 तथा तवधीन बनाए गए नियमों द्वारा
अपने निर्वाचित व्ययों का लेजा बांदिल करने में असफल रहे हैं।

और, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी,
अपनी असफलता के लिए कोई कारण अवधारणा स्पष्टीकरण नहीं किया है,
और, निर्वाचन आयोग भी यह भी समावान ही गया है कि उसके पास
इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यापकित नहीं हैं।

अतः, अब, उक्त भवित्वियम की घारा 10-क के अनुसरण में
निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री प्यारेलाल को संघट के किसी भी
सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा प्रधान विधान परिषद के
सदस्य चुने जाने प्रारंभ होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन
वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. पंजाब-विंस०/७७/७७]

दी० लागरलम, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 17th October, 1978

S.O. 3136.—In exercise of the powers conferred
by sub-section (1) of section 22 of the Representation of the
People Act, 1951 (43 of 1951), the Election Commission
hereby directs that the following amendment shall be made
in its notification No. 434/UP-HP/77(1), dated the 29th
January, 1977, namely:—

In column 2 of the Table appended to the said notification
against Serial No. 58 Returning Officer for 58-Fateh-

ORDER

S.O. 3137.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Piare Lal, House No. 218/A, Lahori Gate, Gandhi Nagar, Patiala (Punjab) who was a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly from 77-Nabha held in June, 1977 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Piare Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/77/77]

T. NAGARATHNAM, Secy.

New Delhi, the 20th October, 1978

ERRATA

S.O. 3138.—In the Election Commission's notification published as S.O. 587(E), dated 6th October, 1978 at page 1202 of the Gazette of India Extraordinary, Part II-Section 3—Sub-section (ii),—

- (i) for the word and figure "section 55" appearing in the first line read "Section 56"; and
- (ii) after the words "as the hours during which" and before the words "poll shall", insert the letter "a".

[No. 100/KT-HP/1/78]

R. D. SHARMA, Under Secy.

विविध व्यायाम और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(व्यायाम विभाग)

नई विल्ली, 21 अक्टूबर, 1978

नोटिस

का०भा० 3139.—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटरीज रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री एस०ड० मोरिस, सालिसिटर, इमप्रेस कोर्ट चैर्च गेट, रिक्लामेशन, बम्बई-21 ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन, पूरे भारत में लेख्य प्रमाणक (नोटरी) का काम करने की नियुक्ति के लिए आवेदन पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियां हो तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के बौद्ध दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिखकर भेज दिये जायें।

[संख्या 22/28/78-व्यायाम]
एल० डॉ० हिन्दी, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(Department of Justice)

New Delhi, the 21st October, 1978

NOTICE

S.O. 3139.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri S. E. Morris, Solicitor, Empire Court, Church Gate Reclamation, Bombay-21 for appointment as a Notary to practise in and throughout India.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted to writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/28/78-Jus.]

L. D. HINDI, Competent Authority

(कम्पनी कार्य विभाग)

का०भा० 3140.—एकाधिकार एवं निवन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मैसर्स बेहुबर कम्पनी लिमिटेड के कथित अधिनियम के प्रत्यंत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाणपत्र संख्या 130/70) के निरस्तीकरण की अधिसूचित करती है।

[सं० 2/44/78-एम-2]

हरि किशोर औन, उप सचिव

(Department of Company Affairs)

S.O. 3140.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act 1969, (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the Registration of M/s. The Behubor Co. Ltd., under the said Act (Certificate of Registration No. 130/70).

[F. No. 2/44/78-M. II]

H. K. JAIN, Dy. Secy.

व्यायाम विभाग

(कार्यालय और प्रशासनिक सुप्रार विभाग)

नई विल्ली, 23 अक्टूबर, 1978

का०भा० 3141.—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (6) के द्वारा प्रदत्त विधियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री डॉ०एन० जाटव तथा प्रन्य के विरुद्ध नियमित मामला सं० 33/74-एस०पी०ह० बम्बई में अन्तर्वृत्त प्रभियुक्त व्यक्तियों द्वारा धायर की गई आपराधिक ग्रीलों में बम्बई उच्च व्यायालय में राज्य की ओर से उपस्थित होने तथा केस के संचालन हेतु श्री पी०आर० नामजीपी, प्रधिवक्ता, बम्बई की विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 225/56/78-ए०वी०ड० II]

टी०क० सुब्रामण्यन, अवार सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 23rd October, 1978

S.O. 3141.—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri P. R. Namjoshi, Advocate, Bombay as a Special Public Prosecutor to appear and conduct on behalf of the State in the Bombay High Court, in criminal appeals filed by the accused persons involved in R. C. No. 33/74-SPE-Bombay against Shri D. N. Jatav and others.

[No. 225/56/78-AVD. II]

T. K. SUBRAMANIAN, Under Secy.

विविध व्यायाम

(राजस्व विभाग)

नई विल्ली, 13 जुलाई, 1978

प्रायकर

का०भा० 3142.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विविध प्राधिकारी, प्रधान भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् में निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962

New Delhi, the 17th July, 1978

INCOME-TAX

S.O. 3144.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, the Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(iv) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of 'Association' in the area of other natural or applied sciences, subject to the following conditions :—

(i) that the Maharashtra Association for the Cultivation of Science, Poona, will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural or applied sciences (other than agriculture/animal husbandry/fisheries & medicines).

(ii) That the said Association will furnish the annual return of its Scientific Research Activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose, by 30th April, each year.

INSTITUTION

Maharashtra Association for the Cultivation of Science Poona

This notification is effective for a period of three years from 6th March, 1978 to 5th March, 1981.

[No. 2411/F. No. 203/87/78-ITA III]

आयकर

फांग्हा० 3145.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिकृत किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात्, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6(iv) के साथ पठित, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बाण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए अन्य प्राकृतिक या आनुप्रयोगिक विज्ञान के क्षेत्र में "संस्था" प्रबन्ध के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

(i) यह कि वि इस्टीट्यूट आफ इण्डियन फाउण्ड्री मैन कलक्टरा प्राकृतिक या आनुप्रयोगिक (हाथि/पशुपालन/मास्ट्यकी और औषधि से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक से रखेगा :

(ii) यह कि उक्त संस्था प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

संस्था

वि इस्टीट्यूट आफ इण्डियन फाउण्ड्रीमैन, कलक्टरा

महू अधिसूचना 9-2-1978 से 8-2-1981 तक सीन वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगी।

[सं० 2409/फा०सं० 203/21/78 आई टी ए II]

INCOME TAX

S.O. 3145.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, the Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6 (iv) of the Income-tax Rules, 1962 under the category 'Institution' in the area of other natural or applied sciences, subject to the following conditions :—

(i) that the Institute of Indian Foundrymen, Calcutta will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural

or applied sciences (other than Agriculture/Animal Husbandry/Fisheries & Medicines);

(ii) That the said Institute will furnish the annual return of its Scientific Research Activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose, by 30th April, each year.

INSTITUTION

The Institute of Indian Foundrymen, Calcutta.
This notification is effective for a period of three years from 9-2-1978 to 8-2-1981.

[No. 2409/F. No. 203/21/78-ITA II]

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1978

आयकर

फांग्हा० 3146—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिकृत किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात्, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6(iv) के साथ पठित, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बाण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए अन्य प्राकृतिक या आनुप्रयोगिक विज्ञान के क्षेत्र में "संगठन" प्रबन्ध के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

(i) यह कि आलेखीय कला अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली प्राकृतिक या आनुप्रयोगिक (हाथि/पशुपालन/मास्ट्यकी और औषधि से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक से रखेगा।

(ii) उक्त संस्थान प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

संस्था

आलेखीय कला अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

यह अधिसूचना 13-3-1978 से 12-3-1981 तक की 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रदूष होगी।

[सं० 2441 फा०सं० 203/44/78 आई टी ए 11]

New Delhi, the 29th July, 1978

INCOME TAX

S.O. 3146.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, the Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 (iv) of the I. T. Rules, 1962 under the category of 'Association' in the area of other natural or applied sciences, subject to the following conditions :—

(i) that the Research Institute of Graphic Arts New Delhi will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural or applied sciences (other than Agriculture/Animal Husbandry/Fisheries & Medicines);

(ii) that the said Institute will furnish the annual return of its Scientific Research Activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose, by 30th April, each year.

INSTITUTION

Research Institute of Graphic Arts, New Delhi:

This notification is effective for a period of 3 years from 13-3-1978 to 12-3-1981.

[No. 2441/F. No. 203/44/78-ITA. II]

मायकर

का०प्र० 3047.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात्, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6 (iv) के साथ पठित, आय-कर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए अन्य प्राकृतिक या अनुप्रयोगिक विज्ञान के क्षेत्र में "संगठन" प्रबन्ध के अधीन निम्नलिखित गतों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

- (i) यह कि इनडाक्ट्रिन सोसाइटी आफ इण्डिया, चंडीगढ़ प्राकृतिक या/अनुप्रयोगिक (हिंदी/पश्चिमान/मातृस्थानी और औषधि से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पूर्ण से रखेगा।
- (ii) उक्त सोसाइटी प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए प्रधिकृत किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

संस्था

इनडाक्ट्रिन सोसाइटी आफ इण्डिया, चंडीगढ़।

यह प्रधिसूचना 12-3-1978 से 16-3-81 तक की 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रदूत होगी।

[सं० 2442 (फा०सं० 203/182/77प्राई टी ए II)]

INCOME TAX

S.O. 3147.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, the Department of Science & Technology New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 (iv) of the I. T. Rules, 1962 under the category 'Association' in the area of other natural or applied sciences, subject to the following conditions :—

- (i) that the Endocrine Society of India, Chandigarh will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural or applied sciences (other than Agriculture/Animal Husbandry/Fisheries & Medicines).
- (ii) that the said Society will furnish the annual return of its Scientific Research Activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose, by 30th April, each year.

INSTITUTION

Endocrine Society of India Chandigarh.

This notification is effective for a period of 3 years from 17-3-1978 to 16-3-1981.

[No. 2442/F. No. 203/182/77-ITA.II]

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 1978

मायकर

का०प्र० 3148.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6(iv) के साथ पठित, आय-कर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में "वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन" प्रबन्ध के प्रधीन निम्नलिखित गतों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

- (i) यह कि संस्था, चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के सिए प्राप्त राशियों का हिसाब पूर्ण से रखेगी।

(ii) उक्त संस्था प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की एक वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए प्रधिकृत किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

संस्था

शेरे-कश्मीर नेशनल मैडिकल इंस्टीट्यूट, श्रीनगर, कश्मीर

यह प्रधिसूचना 8-3-1978 से 7-3-1980 तक की 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रदूत होगी।

[सं० 2450 (फा०सं० 203/96/78 प्राई टी ए II)]

New Delhi, the 2nd August, 1978.

INCOME TAX

S.O. 3148.—It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 (iv) of the I. T. Rules, 1962 under the category of "Scientific Research Association" in the field of Medical Research, subject to the following conditions :—

- (i) That the Institution will maintain a separate account of the sum⁹ received by it for scientific research in the field of medical research.
- (ii) That the institution will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council for each financial year by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.

INSTITUTION

Sher-I-Kashmir National Medical Institute Trust,
Srinagar-Kashmir

This notification is effective for a period of 2 years from 8-3-1978 to 7th March, 1980.

[No. 2450/F. No. 203/96/78-ITA. II]

मायकर

का०प्र० 3149.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6 (iv) के साथ पठित, आय-कर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में "वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन" प्रबन्ध के प्रधीन निम्नलिखित गतों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

- (1) यह कि संस्था चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पूर्ण से रखेगी।
- (2) उक्त संस्था प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए प्रधिकृत किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

संस्था

महारोगी सेवा समिति बारोरा, महाराष्ट्र

यह प्रधिसूचना 20-5-1978 से 19-5-1980 तक 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रदूत होगी।

[सं० 2455/फा०सं० 203/86/78—प्राई टी ए III]

INCOME TAX

S.O. 3149.—It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 (iv) of the I. T. Rules 1962 under the category of "Scientific Research Association" in the field of Medical Research, subject to the following conditions:—

- (1) That the institution will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of medical research.
- (2) That the institution will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council for each financial year by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.

INSTITUTION

Maharogi Sewa Samiti Warora, Maharashtra.

This notification is effective for a period of 2 years from 20-5-1978 to 19-5-1980.

[No. 2455/F. No. 203/86-/78-ITA. II]

आयकर

क्रा० क्रा० 3150.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात् भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को आमंत्रकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अंक (iii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुमति दिया है।

(1) यह कि गुजरात क्षेत्र नियोजन संस्थान, अहमदाबाद द्वारा इस छूट के अधीन संग्रहीत निधियों का उपयोग एक मात्र समाज विज्ञान के अनुसंधान की उप्रति के लिए ही किया जायगा।

(2) यह कि गुजरात क्षेत्र नियोजन संस्थान, अहमदाबाद इस छूट के अधीन संग्रहीत की गई निधियों का हिसाब ब्रत्ता से रखेगा।

(3) यह कि गुजरात क्षेत्र नियोजन संस्थान, अहमदाबाद छूट के अधीन एकत्र की गई निधियों का और वह रोति जिसमें उनका उपयोग किया गया है दर्शात करते हुए एक वार्षिक रिपोर्ट भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् को भेजेगा।

संस्था

गुजरात क्षेत्र नियोजन संस्थान, अहमदाबाद

यह अधिसूचना 1-4-1978 से 31-3-1981 तक की 3 वर्ष की अवधि तक प्रभावी रहेगी।

[सं० 2452/क्रा० सं० 203/54/78 भारी ई-II]

जे० पी० शर्मा, निवेशक।

INCOME TAX

S.O. 3150.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions:—

1. The funds collected by the Gujarat Institute of Area Planning, Ahmedabad, under this exemption will be utilised exclusively for promotion of research in Social Sciences.
2. That the Gujarat Institute of Area Planning, Ahmedabad, shall maintain separate accounts of the funds collected by them under the exemption.
3. That the Gujarat Institute of Area Planning, Ahmedabad shall send an Annual report to the Indian Council of Social Sciences Research, New Delhi, showing the funds collected under the exemption and the manner in which the funds were utilised.

INSTITUTION

Gujarat Institute of Area Planning, Ahmedabad.

This notification is effective for a period of 3 years from 1-4-1978 to 31-3-1981.

[No. 2452/F. No. 203/54/78-ITA. II]

J. P. SHARMA, Director

प्रावेश

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर, 1978

स्टाम्प

क्रा० क्रा० 3151.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 क 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के अंक (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा गुजरात सङ्गठन परिवहन निगम, अहमदाबाद को डिबेंचरों के रूप में उक्त निगम द्वारा जारी किये जाने वाले एक करोड़ रुपये के अंकित मूल्य के बन्धपत्रों पर स्टाम्प शुल्क के रूप में प्रभावी समेकित स्टाम्प शुल्क प्रदा करने की अनुमति देती है।

[सं० 23/78-स्टाम्प क्रा० सं० 33/49/78-बि० क०]

ORDER

New Delhi, the 30th October, 1978

STAMPS

S.O. 3151.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Gujarat Road Transport Corporation, Ahmedabad to pay consolidated stamp duty chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of debentures of the face value of one crore of rupees to be issued by the said Corporation.

[No. 23/78-Stamp-F. No. 33/49/78-ST]

प्रावेश

स्टाम्प

क्रा० क्रा० 3152.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के अंक (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, बम्बई द्वारा जारी किये जाने वाले सत्ताइस करोड़, पचास लाख रुपये के अंकित मूल्य के बन्धपत्रों पर स्टाम्प शुल्क के रूप में प्रभावी केवल सत्ताइस लाख, पचास हजार रुपये का समेकित स्टाम्प शुल्क अदा करने की अनुमति देती है।

[सं० 21/78-स्टाम्प-क्रा० सं० 33/47/78-बि० क०]

ORDER

STAMPS

S.O. 3152.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Industrial Development Bank of India, Bombay to pay consolidated stamp duty of twenty seven lakhs and fifty thousand of rupees only, chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of promissory notes of the face value of twenty seven crores and fifty lakhs of rupees to be issued by the said Industrial Development Bank of India, Bombay.

[No. 21/78-Stamp-F. No. 33/47/78-ST]

प्रारंभ

स्टाम्प

का० प्रा० 3153.—भारतीय स्टाम्प प्रधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के बांध (क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है, जो असम वित्तीय नियम द्वारा वित्तीय वर्ष 1978-79 के दौरान अन्तर्न पत्रों के रूप में जारी किये जाने वाले पचपन साल रूपये के मूल्य के अन्ध पत्रों पर उक्त प्रधिनियम के अधीन प्रभारी है।

[सं० 22/78-स्टाम्प-का० सं० 33/48/78-बि०-कर]

ORDER

STAMPS

S.O. 3153.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of fifty five lakhs of rupees, to be issued by the Assam Financial Corporation during the financial year 1978-79 are chargeable under the said Act.

[No. 22/78-Stamp-F. No. 33/48/78-ST]

प्रारंभ

का० प्रा० 3154.—भारतीय स्टाम्प प्रधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के बांध (क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है, जो महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डिविलिपेंट आयारिटी द्वारा वर्ष 1978-79 के दौरान जारी किये जाने वाले एक करोड़ दस साल रूपये के मूल्य के अन्ध-पत्रों पर, उक्त प्रधिनियम के अधीन प्रभारी है।

[सं० 24/78-स्टाम्प-का० सं० 33/50/78-बि०-कर]

ORDER

STAMPS

S.O. 3154.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act 1899 (2 of 1899) the Central Government hereby remits the duty with which the debentures to the value of one crore and ten lakhs of rupees, to be issued during 1978-79 by the Maharashtra Housing and Area Development Authority are chargeable under the said Act.

[No. 24/78-Stamp-F. No. 33/50/78-ST]

स्टाम्प

का० प्रा० 3155.—भारतीय स्टाम्प प्रधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की 14 अगस्त, 1978 की प्रधिसूचना सं० 18/स्टाम्प का० सं० 33/3/78-बि० का० (का० प्रा० सं० 2390) को प्रधिकार देते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा स्टाम्प शुल्क की संगणना के प्रयोग के लिए नीचे की सारणी के समन्वय (2) में विनिर्दिष्ट विदेशी मुद्रा में समरिवर्तन के लिए, विनियम की दर उसके स्तरम् (3) में तरसंबंधी प्रविष्टियों में विहित करती है।

सारणी

क्रम	विदेशी मुद्रा	100 रु के समतुल्य विदेशी मुद्रा के विनियम की दर	3
1	2	3	
1.	प्रारंभियन शिलिंग	172	
2.	आस्ट्रेलियन डॉलर	10.63	
3.	बैंगलॉयम फैंक	350	

1	2	3
4.	कनाडियन डॉलर	14.56
5.	डेनिश क्रोनर	65.90
6.	इंग्लिश मार्क	22.30
7.	इंच गिल्डर	24.30
8.	फैंच फैंक	53.70
9.	हांग कांग डॉलर	58.10
10.	इटालियन लीरा	10140
11.	जापानी युन	2330
12.	मनेशियन डॉलर	28.20
13.	नार्वेजियन क्रोनर	63.30
14.	पौंड स्टर्लिंग	6.2205
15.	स्वीडिश क्रोनर	54.20
16.	रिवस फैंक	18.60
17.	ग्रामरीकी डॉलर	12.43

[सं० 25/78-स्टाम्प-का० सं० 33/3/78-बि०-कर]

एम० प्रा० बैंग्लॉयम, भवर सचिव ।

STAMPS

S.O. 3155.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 20 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) and in supersession of the notification of Government of India in the Ministry of Finance (Deptt. of Revenue) No. 18/Stamp-F. No. 33/3/78-ST (S.O. No. 2390) dated the 14th August, 1978, the Central Government hereby prescribe in column (3) of the Table below the rate of exchange for the conversion of the foreign currency specified in the corresponding entry in column (2) thereof into the currency of India for the purpose of calculating stamp duty.

TABLE

S. No. Foreign currency Rate of exchange of foreign currency equivalent to Rs. 100/-

1	2	3
1.	Austrian Schillings	172
2.	Australian Dollars	10.63
3.	Belgian Francs	350
4.	Canadian Dollars	14.56
5.	Danish Kroners	65.90
6.	Deutsche Marks	22.30
7.	Dutch Guilders	24.30
8.	French Francs	53.70
9.	Hong Kong Dollars	58.10
10.	Italian Lire	10140
11.	Japanese Yen	2330
12.	Malaysian Dollars	28.20
13.	Norwegian Kroners	63.30
14.	Pound Sterling	6.2205
15.	Swedish Kroners	54.20
16.	Swiss Francs	18.60
17.	U.S.A. Dollars	12.43

[No. 25/78-Stamp-F. No. 33/3/78-ST]

M. R. VAIDYA, Under Secy

(व्यव विभाग)

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1978

का०प्रा० 3156.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक और अनुच्छेद 148 के अंडे (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में सेवारत अधिकारी की भावत नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक से परामर्श करते के पश्चात्, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं, प्रथमतः—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) (दूसरा संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रयूत होंगे।

2. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 54 के उपनियम (3) के अंडे (क) के प्रथम परन्तुक में “इस अंडे के अधीन” शब्दों के स्थान पर “इस अंडे के उप-अंडे (ii) के अधीन” शब्द, कौण्ठक और धंक रखे जाएंगे।

[का०प्रा० 19(30)-ई बी (ए)/78]
एस०प्रा० अप्रवाल, अवर सचिव

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 17th October, 1978

S.O. 3156.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Second Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the first proviso to clause (a) of sub-rule (3) of rule 34 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, for the words “under this clause” the words “under sub-clause (ii) of this clause” shall be substituted:

[No. F. 19(30)-EV(A)/78]
S. R. AGRWALA, Under Secy.

धाराम संचालन

(सांख्यिकी विभाग)

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1978

का०प्रा० 3157.—भारतीय सांख्यिकीय संस्थान अधिनियम (सं० 57) 1959 की धारा 8, उप अंडे (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा एक समिति का गठन करती है जिसमें निम्नलिखित अधिकारी होंगे:—

1. दा० जगजीत सिंह, भूतपूर्व प्रध्यक्ष, इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ एक्सामिनेशन और सेवा एवं अध्यक्ष कारमान्यूटिकल एसी।
2. दा० पी० बी० पट्टनायक, एशियाई सार्विक विकास संस्थान सदस्य के लिए संयुक्त राष्ट्र के भूतपूर्व सलाहकार, बैकों।
3. भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कलकत्ता का एक प्रतिनिधि सदस्य
4. संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय (व्यव विभाग) एवं सदस्य सांख्यिकी विभाग के वित्तीय सलाहकार।
5. निदेशक, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन सदस्य
6. उप सचिव, सांख्यिकी विभाग सदस्य सचिव

एवं उक्त समिति को निम्नलिखित काम सौंपती है अर्थात्:—

1. (क) बर्ष 1979-80 के द्विरान कलकत्ता स्थित भारतीय सांख्यिकीय संस्थान द्वारा प्रारंभ किये जाने वाले सहमति प्राप्त कार्यक्रमों का वर्णन वाले विवरणों की सेवारत करता और केन्द्रीय सरकार के समक्ष प्रस्तुत करना जिसके लिए केन्द्रीय सरकार निष्ठा स्था इसी प्रकार के कार्य के लिए सामान्य वित्तीय अनुमान की व्यवस्था करता; और

(ख) कार्यक्रम की विस्तृत रूप रेखा के बारे में समझौता करना।

2. 1979-80 का संशोधित अनुमान तैयार करते समय 1979-80 के लिए स्वीकृत कार्यक्रम तथा वित्तीय अनुमानों का अक्टूबर-नवम्बर, 1979 के आस पास पुस्तीकण करना। समिति अपनी मुख्य रिपोर्ट (उपर्युक्त मद सं० 1 के संदर्भ में) 15 जनवरी, 1979 तक प्रस्तुत करेंगी और पुस्तीकण रिपोर्ट (उपर्युक्त मद सं० 2 के संदर्भ में) 15 नवम्बर, 1979 तक प्रस्तुत करेंगी।

3. समिति का गुरुवार या नई दिल्ली में होगा और सांख्यिकी विभाग उसका सांख्यिकीय कार्य पूरा करेगा।

[सं० एम-12011/6/78-प्राई०एस०प्राई०]

हरीशचन्द्रा, उप सचिव

MINISTRY OF PLANNING

(Department of Statistics)

New Delhi, the 19th October, 1978

S.O. 3157.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 8 of the Indian Statistical Institute Act (No. 57) of 1959, the Central Government hereby constitutes a Committee consisting of :—

1. Dr. Jagjit Singh, formerly Chairman, Indian Drugs and Pharmaceuticals Ltd. Chairman

2. Dr. P. B. Patnalk, formerly UN Adviser to Asian Institute of Economic Development, Bangkok. Member

3. A representative of the Indian Statistical Institute Member

4. Joint Secretary, Ministry of Finance, Deptt. of Expdr., and Financial Adviser to the Department of Statistics. Member

5. Director, Central Statistical Organisation. Member

6. Deputy Secretary Deptt. of Statistics Member-Secretary and assign the following duties to the said Committee name-
lv :—

1. (a) preparation and submission to the Central Government of statements showing programmes of work agreed to be undertaken by the Indian Statistical Institute, Calcutta, during the year 1979-80 for which the Central Government may provide funds, as well as general financial estimates of such work : and

(b) the settlement on broad lines of the programme of work.

2. review of the agreed programme of work and the financial estimates for 1979-80 at the time of formulation of the Revised Estimates for 1979-80, around October/November 1979.

2. The Committee shall submit its main report (in terms of item 1 above) by the 15th January, 1979 and the review report (in terms of item 2 above) by the 15th November, 1979.

3. The Department of Statistics shall render the secretariat functions of the Committee, the headquarters of which will be at New Delhi.

[No. M-12011/6/78-ISI]
HARISH CHANDRA Dy. Secy.

विभिन्न नागरिक आपूर्ति और सहकारिता मंत्रालय

(नागरिक पुति और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 1978

क्र.०प्रा० 3158.—केन्द्रीय सरकार अधिकारी संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन कानपुर कामडिटी एक्सचेंज लि०, कानपुर द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिये दिये गये आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विवाद करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एक्सचेंज को गुड़ की अधिकारी के बारे में 26 नवम्बर, 1978 से 25 नवम्बर, 1979 (जिसमें ये दोनों विन भी शामिल हैं) को एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिये मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा, प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन है कि उक्त एक्सचेंज ऐसे निवेशों का अनुपालन करेगा, जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय समय पर दिये जायें।

[मिंसं० 12(18)-आई०टी०/78]

क० एम० मैथू, उप गविय

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & COOPERATION

(Department of Civil Supplies & Cooperation)

New Delhi, the 9th October, 1978

S.O. 3158.—The Central Government in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Kanpur Commodity Exchange Ltd., Kanpur, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year from the 26th November, 1978 to the 25th November, 1979 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12(18)-IT/78]

K. S. MATHEW, Dy. Secy.

मूल्य नियंत्रक, आपात-निर्धार्त का कार्यालय

आदेश

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1978

क्र.०प्रा० 3159.—मर्यादी श्रीमीजन चियरिंग इंडिया रिमिटेड, वड़ौदा की व्याख्या आई०टी०ए० एण्टी०टी०ए०क० सं० 616-आई०एन के अन्तर्गत पूँजीगत माल के आयात के लिए 22,39,664 रुपये (बाईस लाख उनतालिस हजार छ सौ चौसठ रुपये) का आयात लाइनेम सं० पी० सी० जी०/2071741 विनांक 2-6-77 प्रदान किया गया था। कर्म ने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि श्रीमा-शुल्क प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल श्रीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति दो गई है। ग्रामे यह बनाया गया है कि लाइसेंस श्रीमा-शुल्क कार्यालय अमरी में पंजीकृत था, उभका 12,89,664 रुपये तक उपयोग हो गया है और उसमें 9.5 लाख रुपये का उपयोग करना थोप है।

ग्रामे तक के समर्थन में, लाइसेंसधारी ने स्टैम्प पेपर पर बड़ीदा के नोटरी पब्लिक के सम्मुख विधिवत गपथ लेकर एक गपथ-पत्र दाखिल किया है। तदुसार में संतुष्ट हूं कि कर्म द्वारा मूल लाइसेंस सं० पी०/सी०जी०/

2071741 विनांक 2-6-77 दो गया है। वथासंशोधित आयात (नियंत्रण) प्रादेश, 1955 विनांक 7-12-55 की उपधारा 9 (सी सी) द्वारा प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग करते हुए सर्वेश्वी श्रीमीजन चियरिंग इंडिया रिमिटेड, वड़ौदा को जारी किए गए लाइसेंस सं० पी० सी० जी०/2071741 विनांक 2-6-77 दो ग्राम श्रीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

उक्त लाइसेंस की एक श्रीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि अलग से जारी की जा रही है।

[सं० 785/77/12/सी० जी० 1]
जी०एस० ग्रेवाल, उप मुख्य नियंत्रक

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

ORDER

New Delhi, the 17th October, 1978

S.O. 3159.—M/s. Precision Bearing India Ltd., Baroda were granted an import licence No. P/CG/2071741 dt. 2-6-77 for Rs. 22,39,664 (Rupees Twenty Two Lakh Thirty Nine Thousand Six Hundred and Sixty Four only) for import of Capital Goods under XIth I. D. A. Credit T. D. F. No. 616-In. The firm has applied for issue of Duplicate of Customs purposes copy of the above mentioned licence on the ground that the original Customs Purposes Copy of the licence has been lost. It has further been stated that the licence was registered with Bombay Customs and has been utilised partly to the extent of Rs. 12,89,664 leaving a balance of Rs. 9.5 lakhs.

In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before Notary Public of Baroda. I am accordingly satisfied that the original licence No. P/CG/2071741 dated 3-6-77 has been lost by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original Customs purpose copy of Import Licence No. P/CG/2071741 dated 2-6-1977 issued to M/s. Precision Bearings India Ltd., Baroda is hereby cancelled.

A duplicate Customs purposes copy of the said licence is being issued to the party separately.

[No. 785/77/12/CG. I]
G: S. GREWAL, Dy. Chief Controller
(विभिन्न विभाग)

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1978

(रबड़ नियंत्रण)

क्र.०प्रा० 3160.—केन्द्रीय सरकार, रबड़ नियम, 1955 के नियम 4 के माध्य पठित रबड़ अधिनियम, 1947 (1947 का 24) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह अधिसूचित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) के खंड (3) के अधीन राज्य समा द्वारा संसद सदस्य श्री चंगलराया नायडू को, सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 11 फरवरी 1980 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए अधिका उम्म अवधि के लिए जब तक वे राज्य सभा के सदस्य बने रहते हैं, जो भी कम हो, रबड़ बोर्ड के सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया है।

[फा०सं० 15(1)/78-प्लॉट (सी)]
एस० महादेव प्रम्पर, उप निवेशक

(Department of Commerce)

New Delhi, the 18th October, 1978

(RUBBER CONTROL)

S.O. 3160.—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Rubber Act, 1947 (24 of 1947), read with rule 4 of the Rubber Rules, 1955, the Central Government hereby notifies that Shri N.P. Chengalraja Naidu, Member of Parliament, has been elected by the Council of States as a member

of the Rubber Board, under clause (e) of sub-section (3) of section 4 of the said Act for a period commencing from the date of publication of this notification in the Official Gazette and ending with 11th February, 1980, or for the period during which he continues to be a member of Rajya Sabha, whichever is less.

[File No. 15(1)/78-Plant(B)]

S. MAHADEVA IYER, Dy. Director.

क्रांति भवालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1978

मुद्रित

क्रा० आ० 3161.—भारत के राजपत्र, असाधारण भाग 2 छंड 3 उपछंड (ii) में विनांक 9 अक्टूबर, 1978 को प्रकाशित भारतेश सं० का० आ० 590(अ), दिनांक 9 अक्टूबर, 1978 के हिन्दी ल्पान्तर पृष्ठ 1208, ऊपर से दूसरी पंक्ति में "पांच" के स्थान पर "तीन" पढ़ा जाए।

[का० सं० 20/15/76-जूट]

मु० दबे, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 18th October, 1978

CORRIGENDUM

S.O. 3161.—In this Ministry's order No. S.O. 590(F) published in the Gazette of India Extraordinary of 9th October 1978, in part II Section 3 of Sub-section (ii) in the last part of para (1) relating to the terms and conditions at Sl. No. (2), the word "five" may be substituted with the word "three".

[F. No. 20/15/76-Jute]

S. DAVE, Under Secy.

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1978

मुद्रित

क्रा० आ० 3162.—विनांक 8 जुलाई, 1978 के भारत के राजपत्र के भाग 2, छंड 3, उपछंड (ii) में प्रकाशित भारत सरकार, इस्पात और खान मंत्रालय, खान विभाग की विनांक 8 जून, 1978 की अधिसूचना संख्या का०आ० 2014 में पृष्ठ 1785 पर पंक्ति 9 में "15-5-78" के स्थान पर "3-7-1978" पढ़ा जाए।

[फाईल सं० 11(36)/77-ख-5/ख-6मम]

मदन मोहन बद्री, अवर सचिव

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 18th October, 1978

CORRIGENDUM

S.O. 3162.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Steel and Mines (Department of Mines) S.O. No. 2014 dated the 8th June, 1978 published in Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India dated the

8th July, 1978 at page 1785, in line 9 for "15-5-1978" read "3-7-1978".

[File No. 11(36)/77-M5/M6/MM]
M.M. BAKSHI, Under Secy.

जर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1978

क्रा० आ० 3163.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला वाले क्षेत्र (प्रज्ञन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के जर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० क्रा० आ० 3153, तारीख 28 अगस्त, 1976 द्वारा इससे उपावद्ध अनुसूची में विनियिष्ट परिक्षेत्र में 7225.00 एकड़ (लगभग) या 2923.81 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमि कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और उक्त भूमि की वास्तव, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन कोई सूचना नहीं दी गई है;

प्रतः, प्रब्र, केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 28 अगस्त, 1978 से ग्राम्य होने वाली एक वर्ष की और अवधि को उस अवधि के रूप में विनियिष्ट करती है जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार ऐसी भूमि को या ऐसी भूमि में के किन्हीं अधिकारों को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दे सकती।

प्रनुसूची

जर्जी बैंड

जर्जी कोयला क्षेत्र

क्रा० सं० राजा० 18/76

तारीख : 1-3-76

(जिसमें पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित भूमियां वर्णित हैं)

क्रम सं०	प्राम सं०	प्राम सं०	अंचल उप-छंड	जिला	क्षेत्र-फल	टिप्प-ण्या	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1.	कालाशरिया	1	जाम-तारा	जाम-तारा	संथाल	पर्याना	भाग
2.	पिपरा	467	करन	पेश्वर	"	"	"
3.	बैजुतानर	468	"	"	"	"	"
4.	चुरखुरिया	469	"	"	"	"	"
5.	भण्डारो	470	"	"	"	"	"
6.	धास्की	481	"	"	"	"	"
7.	खमरदाव	482	"	"	"	"	पूर्ण
8.	खरजोरी	483	"	"	"	"	भाग
9.	काओ	539	"	"	"	"	"
10.	बांसजोरा	540	"	"	"	"	पूर्ण
11.	महुआतानर	541	"	"	"	"	"
12.	सिमरा	553	"	"	"	"	"
13.	जगर्जीह	554	"	"	"	"	"
14.	दिगबांद	557	"	"	"	"	"
15.	बांदिया	558	"	"	"	"	"
16.	हर्ती	559	"	"	"	"	भाग
17.	सामरभागा	592	"	"	"	"	"

1	2	3	4	5	6	7	8	वी—सी	लाइन देवबर उपखण्ड के भण्डारो, बास्को, महातानर, सिमरा, जगाईह, दिग्दाव, नागादी, भोरदिह, बबाभार ग्रामों, जामतारा उपखण्ड के कालाशस्त्रिया तथा देवबर उपखण्ड के केनाबस्त्रिया और राखीदीह ग्रामों से होकर जाती है।
18.	बास्कुपी	594	करम	देवबर	संथाल		भाग		
					परगना				
19.	कालीदंब	595	"	"	"		पूर्ण	सी—जी	लाइन रानीदीह, सोनाकाक और चौबकियारी ग्रामों से होकर जाती है।
20.	मिथा	596	"	"	"		पूर्ण		
21.	नागादी	597	"	"	"		भाग		
22.	भोरदिह	598	"	"	"		"	डी—ई	लाइन उम नदी की मध्य रेखा, जो चातुकियारी और नानी-यातानर ग्रामों की आंशिक सामान्य सीमा है, चौबकियारी और अमदावार, चौबकियारी और असनवानी, बीरनगरिया और जबोवांध, बीसनगरिया और कोईशको, बीरनगरिया और चंदियाजीरी ग्रामों की या सामान्य सीमा तथा बीरनगरिया और गोरमारा ग्रामों की आंशिक सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है।
23.	बर्जार	600	"	"	"		"		
24.	सिरसिया	601	"	"	"		पूर्ण		
25.	दिराजमुर	602	"	"	"		"		
26.	धनियादीह	603	"	"	"		भाग		
27.	काल्थो	604	"	"	"		पूर्ण		
28.	पहाड़वाहा								
	या								
	मदनकेटा	605	"	"	"		भाग	ई—एफ	लाइन जोरभारा, काठमिरखी गोर सागरभांगा ग्रामों से होकर जाती है।
29.	काठमिरखी	607	"	"	"		"		
30.	गोरमाडा	610	"	"	"		"	एफ—जी	लाइन बाघदारा नदी की (जो बास्कुपी और तिलबरिया बादिया और नवाडोह ग्रामों की सामान्य सीमा है तथा बादिया और हनी की ग्रामों की आंशिक सामान्य सीमा है। आंशिक मध्य रेखा के साथ-साथ जाती है।
31.	बीरनगरिया	611	"	"	"		पूर्ण		
32.	चौबकियारी	618	"	"	"		भाग		
33.	गढ़बुर	619	"	"	"		पूर्ण		
34.	सिवातनर	620	"	"	"		"	जी—ए	लाइन हनी, काओरो, खरजोरी और पिपरा ग्रामों से होकर जाती है और आरंभ बिन्दु 'ए' पर मिलती है।
35.	सोनाक	621	"	"	"		भाग		
36.	केनाबस्त्रिया	622	"	"	"		"		
37.	रानीदी	640	"	"	"		"		

कुल खेतकल : 7225.00 एकड़ (लगभग)

या 2923.81 हेक्टेयर (लगभग)

सीमा वर्णन :

ए—सी लाइन पिपरा, बैजुतानर, खुरखुरिया और भण्डारी ग्रामों से होकर जाती है।

टिप्पणी—एच-एर्स-जे-के-एल-एन और एच से परिवद्ध प्रभाग को छोड़कर, जो बास्कुपी, धनियादीह ग्रामों से होकर, धनियादीह और पहाड़वाहा या मदनकेटा ग्रामों की आंशिक सामान्य सीमा के साथ-साथ और तत्पश्चात् सागरभांगा ग्राम से होकर जाती है।

[सं० 19(39)/76-सीईएल]

एस० आर० ए० रिज्बी, निवेशक

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 18th October, 1978

S.O. 3163.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 3153 of 28th August 1976, under sub-section (i) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in lands measuring 7225.00 acres (approximately) or 2923.81 hect. (approximately) in the locality specified in the Schedule appended hereto:

And whereas in respect of the said lands, no notice under sub-section (1) of section 7 of the said Act has been given;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the sub-section (1) of section 7, the Central Government hereby specifies a further period of one year commencing from the 28th August, 1978, as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands.

SCHEDULE
JAYANTI BLOCK
JAYANTI COALFIELD

Drg. No. Rev./16/76
Dated : 1-3-76.
(Showing lands notified for prospecting).

Serial number	Village	Village number	Anchal	Sub-Division	District	Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Kalajharia	.	1	Jamtara	Jamtara	Santhal Pargana	Part
2.	Pipra	467	Karan	Deoghar	"	"	
3.	Bajutanh	468	"	"	"	"	
4.	Khurkhuriya	469	"	"	"	"	

1	2	3	4	5	6	7	8
5. Bhandaro	.	470	Karan	Deoghar	Santhal Pargaras	Part	
6. Ghasho	.	481	"	"	"	"	
7. Khamarbad	.	482	"	"	"	Full	
8. Kharjori	.	483	"	"	"	Part	
9. Kao	.	539	"	"	"	"	
10. Bansjora	.	540	"	"	"	Full	
11. Manuatanr	.	541	"	"	"	Part	
12. Simra	.	553	"	"	"	"	
13. Jagadih	.	554	"	"	"	"	
14. Digbad	.	557	"	"	"	"	
15. Badiya	.	558	"	"	"	Full	
16. Harni	.	559	"	"	"	Part	
17. Sagarbhanga	.	592	"	"	"	"	
18. Baskupi	.	594	"	"	"	"	
19. Kalibandh	.	595	"	"	"	Full	
20. Misra	.	596	"	"	"	"	
21. Nagadari	.	597	"	"	"	Part	
22. Bhorandiha	.	598	"	"	"	"	
23. Burbshar	.	600	"	"	"	"	
24. Sirslya	.	601	"	"	"	Full	
25. Birajpur	.	602	"	"	"	"	
26. Dhaniyadih	.	603	"	"	"	Part	
27. Kalho	.	604	"	2	2	Full	
28. Pahardaha or Madanketa	.	605	"	"	"	Part	
29. Kathmirkhi	.	607	"	"	"	"	
30. Gormara	.	610	"	"	"	"	
31. Birangariya	.	611	"	"	"	Full	
32. Chobkiyari	.	618	"	"	"	Part	
33. Ganduba	.	619	"	"	"	Full	
34. Sivatanr	.	620	"	"	"	"	
35. Somabank	.	621	"	"	"	Part	
36. Kenabariya	.	622	"	"	"	"	
37. Ranidi	.	640	"	"	"	"	

Total area : 7225.00 acres (approx.)
or 2923.81 hect. (approx.)

BOUNDARY DESCRIPTION:

A-B line passes through villages Pipra, Barjutanr, Khurkhuriya and Bhandaro.

B-C line passes through villages Bhandaro, Ghasko, Mahuatanr Simra, Jagadih, Digbad, Nagadari, Bhorandiha, Burbshar of Deoghar Sub-division, Kalajharia of Jamtara Sub-division and Kenabariya & Ranidih of Deoghar Sub-division.

C-D line passes through villages Ranidih, Sonabank, Chobkiyari.

D-E line passes along the central line of the River which forms part common boundary with the villages of Chobkiyari and Naniyatanr, common boundary with the villages of Chobkiyari & Jamdaper, Chobkiyari & Asanbani, Birangariya & Jashobandh, Birangariya & Kolrako, Birangariya & Chandiajori, part common boundary of villages Birangariya & Cormara.

E-F line passes through villages Gormara, Kathmirkhi & Sagarbhanga.

F-G line passes along the part Central line of Baghdara Nadi (which forms common boundary with the villages of Baskupi and Tilberiya, Badiya & Nawadiah and forms part common boundary of villages Badiya and Harni).

G-A line passes through villages Harni, Kao, Kharjari and Pipra and meets at starting point 'A'.

Note:—Excluding the portion bounded by H-I-J-K-L-M-N-and H which passes through villages Baskupi, Dhaniyadih, along the part common boundary of villages Dhaniyadih & Pahardana or Madankara through village Pahardaha & Kathmirkhi along the part common boundary of villages Sagarbhanga & Kashitanr then through village Sagarbhanga.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय
(प्राम विकास विभाग)

नई विल्सी, 21 अक्टूबर, 1978

का० अ० 3164.—केन्द्रीय सरकार, सामान्य श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1937 के नियम 4 के खण्ड (अ) और (ट) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से, एगमार्क के अधीन श्रेणीकृत बेसन के पैकेजों पर एगमार्क के लेबलों के चिपकाए जाने के लिए 0.75 पैसे प्रति किंवद्वन की दर से प्रभार निश्चित करती है।

[सं० 13-4/77-ए० एम०]

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(Department of Rural Development)

New Delhi, the 21st October, 1978

S.O. 3164.—In exercise of the powers conferred by clauses (i) and (k) of rule 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the Central Government hereby fixes, with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette, the charges for Agmark Labels to be affixed on the packages of Besan (Gram flour) graded under Agmark at the rate of Rs. 0.75 paise per quintal.

[No. F. 13-4/77-AM]

का० अ० 3165. सम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1937 में और संशोधन करने के लिए उन नियमों का निम्नलिखित प्राप्त जिन्हें केन्द्रीय सरकार, छापि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए बनाने का प्रताव करती है, उक्त खण्ड की अपेक्षानुसार, उन सभी व्याकृतियों की सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है जिनका इससे प्रभावित होना, सम्भाध्य है तथा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राप्त पर, उस राजपत्र के, जिसमें यह अधिसूचन, प्रकाशित की जाए, जनता को उपलब्ध होने की तारीख से एक माह की प्रब्रह्मि समाप्त होने के बाद विचार किया जाएगा।

उक्त प्राप्त के संबंध में ऊपर विनिश्चित तारीख के पूर्व किसी भी व्यक्ति से प्राप्त होने वाले आक्षेप या सुझाव पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

संशोधन प्राप्त

1. इन नियमों का नाम सम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्नांकन (संशोधन) नियम, 1978 है।

2. सम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1937 में—

(1) अनुसूची-2 में (क) श्रेणी अधिकार नियम 4 और उससे संबंधित प्रतिलिपियों के पश्चात निम्नलिखित असिरिक्त श्रेणियां प्रक्षेप स्थापित की जाएगी।

श्रेणी अधिकार	रंग	बनावट	कार्य और दर	
			1	2
सी० 1-4	चमकीला नीबू और/या चमकीला नारंगी और/या वीसे से चमकीला नारंगी	गाधारण से मध्यम	अच्छी काय, पत्ते या टुकड़े जिसमें ऐगमार्क श्रेणी 1 से 3 तक हैं, कुल मिलाकर कम से कम 70 प्रतिशत तथा शेष ऐगमार्क श्रेणी 4 की।	
एक० 1-4	—यथोक्त—	—यथोक्त—	अच्छी काय, पत्ते या टुकड़े जिसमें ऐगमार्क श्रेणी 1 से 3 तक हैं, कुल मिलाकर कम से कम 45 प्रतिशत तथा शेष ऐगमार्क श्रेणी 4 की।	
एस० 1-4	—यथोक्त—	—यथोक्त—	अच्छी काय, पत्ते या टुकड़े जिसमें ऐगमार्क श्रेणी 1 से 3 तक हैं, कुल मिलाकर कम से कम 30 प्रतिशत तथा शेष ऐगमार्क श्रेणी 4 की।	
टी० 1-4	—यथोक्त—	—यथोक्त—	अच्छी काय, पत्ते या टुकड़े जिसमें ऐगमार्क श्रेणी 1 से 3 तक हैं, कुल मिलाकर कम से कम 15% तथा शेष मार्क श्रेणी 4 की।	

(अ) पाद टिप्पण में, अन्त में निम्नलिखित जोड़ा जायेगा:—

(i) इन संयुक्त श्रेणियों की पैकिंग और निर्यात, निर्माता/आयातकर्ता के लिखित आदेश के अनुसार किया जाएगा।

(ii) जिन पैकेजों पर संयुक्त श्रेणी लिखा होगा उन्हें खुले बाजार में नहीं बेचा जाएगा, परन्तु यदि निर्माता/आयातकर्ता परेशन रक्षकाएं नहीं रखता तो प्राधिकृत पैकर को, उसके द्वारा इस संबंध में इसी आण्य का नियमान्तरपद साथ्य हुआ विपणन समाहिकार, भारत सरकार या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी के समक्ष पेश करने पर इस प्रकार का सम्बाकू खुले बाजार में बेचने की अनुमति दी जा सकती है।

(ग) “डाक बिट्स” “ब्राइट पी० एल०” “डाक पी० एल०” और “स्टेम्स” श्रेणियों के बाद निम्नलिखित श्रेणियां, अर्थात् “सामान्य बिट्स” “सीमी ब्राइट पी० एल०” “सामान्य पी० एल०” “स्टेम्स और स्टेम बिट्स” जोड़ी जाएंगी।

श्रेणी अधिकार	रंग	बनापट	कार्य और वशा
1	2	3	4
सामान्य बिट्स	श्रेणी 4, एल बी आई, एल बी आई 2, बी एल जी, एल एम जी और एम जी का रंग। डी जी का रंग या डी बी का रंग 35 प्रतिशत तक अनुकूल है।	मध्यम से लुद्रा	कम से कम 5 सेंटीमीटर लम्बे टुकड़े
सेमी-आइट	श्रेणी एल बी आई, एल बी आई, बी पौ एल और एल एम जी का रंग।	--प्रथोक्त--	ऐया काय, जो किसी भी पूर्ववर्ती मूल श्रेणी में नहीं आता।
सामान्य फी एल	श्रेणी 4, एल बी आई, एल बी आई 2 बी, एम जी, एल एम जी और एम जी का रंग। डी जी का रंग या डी बी का रंग 35 प्रतिशत तक प्रतुक्तय है।	--प्रथोक्त--	--प्रथोक्त--
स्टेम्स और स्टेम-बिट्स	--	--	इसमें सम्पूर्ण मिड-रिब, तथा वर्जीनिया प्रजाति की सम्बाकू और उसकी संकर किस्म से मिडरिब निकासने के समय बचे हुए हटाये गये मिड-रिब के टुकड़े।
टेम बिट्स	--	--	वर्जीनिया प्रजाति की सम्बाकू और उसके संकर किस्म से प्राप्त किए गये मिड-रिब के कोई भी टुकड़े जो विजातीय पदार्थों से मुक्त हों।

(ii) अनुसूची 2 के बाद निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी, प्रथमतः—

अनुसूची 2 क

भारत में उत्पादित विनिर्मित फलू-ब्योर्ड वर्जीनिया (पिटाई के बाद का पक्कदल) सम्बाकू का श्रेणी अधिकार और परिभाषा

1. पिटा हुआ पक्कदल फलू-ब्योर्ड वर्जीनिया प्रजाति की और उनकी संकर किस्म की—जिनके अधिकार किस्म एक जैसे हों, श्रेणीकृत सम्बाकू को पीटकर प्राप्त किया जाता है और इसमें पत्तों के ऐसे सिरे, जो पत्ते की लगभग तिहाई सम्बाई को काटकर प्राप्त होते हों, और सिरा कटी पत्ती को यक्क छारा पीटकर प्राप्त यिन्ह लम्बाईयों के छोटे-बड़े टुकड़े (बचा हुआ भाग) हैं।

2. पिटे हुए पक्कदल में पत्तों के सिरे और सिरे कटे पत्तों से प्राप्त यिन्ह लम्बाई के ऐसे छोटे-बड़े टुकड़े हैं, जो यक्कों से तोड़े गए हों, किन्तु इस संबंध में सीमाएं निम्नलिखित हैं:—

- (क) पत्ते के सिरों का आकार सम्बाई में 3" से 6" के बीच होगा।
- (ख) सिरे काट कर बचे हुए छोटे बड़े टुकड़ों का आकार सम्बाई में 1/4" से 6" के बीच होगा।
- (ग) पत्तों के सिरों का भार कुल पक्कदल के भार के 25 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।
- (घ) पिटे हुए पक्कदल में, कुल सम्बाकू में, 1/2" से अधिक लम्बे टुकड़े कम से कम 70 प्रतिशत (भार के अनुसार) होंगे।
- (ङ) पिटे हुए पक्कदल में, कुल सम्बाकू में 1/4" के आकार से कम के टुकड़े 10 प्रतिशत (भार के अनुसार) से अधिक नहीं होंगे।
- (च) पिटे हुए पक्कदल में कुल सम्बाकू में स्टेम भार के 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

3. पिटे हुए पक्कदल का नियंत्रित और पैकिंग निम्नलिखित गतिं पर होगी।

- (i) पिटे हुए पक्कदल का नियंत्रित और पैकिंग केवल पक्के प्रादेश के अनुसार होगा।
- (ii) पिटे हुए पक्कदल के लिए नियंत्रित की जाने वाली श्रेणी पिटाई के लिए सारे पत्ते भेजने से पहले अवधारित की जाएगी। अनुसूची 2 में बताये गये प्रतिनिर्मित फलू-ब्योर्ड वर्जीनिया सम्बाकू की लागू होने वाला श्रेणी-विनिर्देश, सम्बाकू को पिटाई संयंत्र में डालने से पहले, प्रतिनिःसंक्षिप्त बाएगा।
- (iii) किसी विशिष्ट श्रेणी के लिए नियंत्रित और अनुमोदित तस्माकू को ही, निरीक्षण अधिकारी की उपस्थिति में, पिटाई की अनुमति दी जाएगी, और ऐगमार्क लेवल पर “पिटा हुआ पक्कदल” शब्द कोण्ठक में तथा श्रेणी-अधिकार कित्तू के साथ साथ प्रक्रिया किए जाएंगे।
- (iv) ऐगमार्क को हड्ड अविनिर्मित फलू-ब्योर्ड वर्जीनिया सम्बाकू के वैकेजों की भाँति ही श्रेणीकृत “पिटा हुआ पक्कदल” तस्माकू के वैकेज भी प्रायिक ऐक सम्पत्ति और वैक निरीक्षण के अधीन होंगे।

5. (iii) प्रत्यक्षी 3 में वी वी भार और वी भी भार श्रेणियों के बारे निम्नविवित अतिरिक्त श्रेणियाँ जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :—

विभिन्न लक्षण

श्रेणी प्रभिधान	रंग	बनावट	दोष
1	2	3	4
भोएल वी वाई वीला भूरा/या नारंगी से चमकीला साधारण से मध्यम भूरा भौरा/या चमकीला भूरा गीला/ नारंगी, हल्का भूरा भौरा या/हल्के से कुछ गहरा हरा	मध्यम से खुरबग	हल्की से लेकर अच्छी काय का, जिसमें पौधे में नींबू से लेकर ऊपर तक की पत्तियाँ आती हैं। पत्तों में भूरे या हरे धड़वे, फोड़, छरोच या अंग दाग सम्पूर्ण शेत्रकल के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होने चाहिए।	
भ्रो झी जी वी गहरा हरा भूरा भौरा/या गहरा भूरा	मध्यम से खुरबग	हल्की से लेकर भारी काय का, जिसमें पौधे में नींबू से लेकर ऊपर तक की पत्तियाँ आती हैं। पत्तों में अधिक दोष भी हो सकते हैं। किन्तु कूल शेत्रकल के 90 प्रतिशत तक ही।	[सं. 13-3/76-ग.० एस.०]

S.O. 3165.—The following draft of rules further to amend the Tobacco Grading and Marking Rules, 1937 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is hereby published as required by the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of a period of forty-five days from the date on which the Official Gazette containing this notification is made available to the public.

Any objections or suggestions received from any person with respect to the said draft before the date specified above will be considered by the Central Government:

DRAFT AMENDMENTS

1. (1) These rules may be called the Tobacco Grading and Marking (Amendment) Rules, 1978.

(2) In the Tobacco Grading and Marking Rules, 1937:—

(i) in Schedule II,—

(a) after grade designation "4" and the entries relating thereto, the following additional grades shall be inserted, namely:—

"Grade Designation	Colour	Texture	Body and condition
1	2	3	4
*C.1-4	Bright Lemon and/or bright orange and/or Yellow to bright orange.	Fair to Medium	Good body leaves or strips consisting of Agmark grades 1 to 3 put together not less than 70 per cent and the balance of Agmark grade 4.
*F.1-4	-do-	-do-	Good body leaves or strips consisting of Agmark grades 1 to 3 put together not less than 45 per cent and the balance of Agmark grade 4.
*S.1-4	-do-	-do-	Good body leaves or strips consisting of Agmark grades 1 to 3 put together not less than 30 per cent and the balance of Agmark grade 4.
*T.1-4	-do-	-do-	Good body leaves or strips consisting of Agmark grades 1 to 3 put together not less than 14 per cent and the balance of Agmark grade 4.

(b) in the footnotes, the following shall be added at the end, namely:—

**(i) The packing and export of these composite grades must be against a written order from a manufacturer/importer.

**(ii) The packages labelled as composite grades shall not be sold in the open market, provided that in case the manufacturer/importer does not accept the consignment, the authorised packer on producing the satisfactory evidence to that effect to the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or to any other officer authorised by him in this behalf may be permitted to sell such tobacco in the open market";

(c) after the grades "Dark Bits", "Bright PL", "Dark PL" and "Stems", the following additional grades, namely 'General Bits', 'Semi-Bright PL', 'General PL', 'Stems and Stem Bits', and 'Stem-Bits' shall be added:—

"Grade Designation	Colour	Texture	Body and condition
1	2	3	4
General Bits	Colour of Grades 4, LBY, LBY2, B, LG, Medium to Coarse LMG and MG. The colour of either DG or DB is permissible upto the extent of 35% only.		Broken pieces of not less than 5 centimetres long.
Semi-Bright PL	The colour of Grades LBY, LBY2, B and LMG	-do-	Body not covered by the description given for any of the foregoing straight grades.

1	2	3	4
General PL	Colour of Grades 4, LBY, LBY2, B, and LMG	-do-	-do-
Stems and Stem Bits	—	—	Shall consist of whole mid-ribs and pieces of mid-ribs removed in the process of stemming from Virginia variety of tobacco and their hybrids.
Stem-Bits	—	—	Shall consist of any pieces of mid-ribs obtained from Virginia varieties of tobacco and their hybrids and shall be free from extraneous matter. ";

(ii) After Schedule II, the following Schedule shall be inserted, namely:—

"SCHEDEULE II-A

Grade designation and definition of unmanufactured Flue-cured Virginia (Threshed Lamina) tobacco grown in India

1. Threshed lamina is derived from graded tobacco leaves of Flue-cured Virginia varieties and their hybrids having similar characteristic by threshing and shall consist of leaf tips obtained by cutting about 1/3 length of leaf and broken bits or pieces of varying lengths obtained by threshing the tipped leaf (remaining portion) mechanically.

2. Threshed lamina comprises of leaf tips and mechanically broken bits or pieces of lamina of varying lengths obtained from the tipped leaf subject to the following limitations:—

- (a) The size of leaf tips shall be between 3" to 6" in length.
- (b) The size of broken bits or pieces obtained from the tipped leaf shall be in between $\frac{1}{2}$ " to 6" in length.
- (c) The weight of leaf tips shall not exceed 25% by weight of the total lamina.
- (d) Threshed lamina shall contain a minimum of 70% (by weight) of pieces of over $\frac{1}{2}$ " in length in the total product.
- (e) Threshed lamina shall not contain more than 10% (by weight) of pieces of less than $\frac{1}{2}$ " in size in the total product.
- (f) The total stem in the threshed lamina shall not exceed 5% by weight of the total product.

3. The packing and export of threshed lamina is subject to the following conditions:—

(i) The packing and export of threshed lamina is against firm order only.

(ii) The grade to be assigned for the threshed lamina shall be determined before the whole leaf is issued for threshing. The grade specifications applicable to the unmanufactured Flue-Cured Virginia tobacco as laid down in Schedule-II shall be enforced before putting the tobacco in the threshing plant.

(iii) Only tobacco inspected and approved for a particular grade shall be allowed for threshing in the presence of an inspecting officer and on the Agmark Label the words "Threshed Lamina" shall be stamped in bracket alongside the grade designation mark.

(iv) Graded "Threshed Lamina" tobacco packages are subjected to usual check sampling and check inspection as in the case of Ag-marked unmanufactured Flue-cured Virginia tobacco packages."

(iii) In Schedule III, after the grades "VBR" and "VDR", the following additional grades shall be added, namely:—

SPECIAL CHARACTERISTICS

"Grade Designation	Colour	Texture	Blemish
1	2	3	4
OLBY	Yellow and/or Orange to bright brown and/or bright Medium brownish yellow/orange; light brownish and/or light to darkish green.	Fair to Medium	Light to good body, embodying leaves from the various plant position from bottom to top leaves. Leaves may have brown or green patches spongy, brushted or other blemishes, but not exceeding 50% of the total area.
ODGB	Dark green brown and/or Burnt Brown.	Medium to Coarse	Light to heavy body, embodying leaves from the various plant positions from bottom to top leaves. Leaves may be heavily blemished upto 90% of the total area.

का० आ० 3166.—केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्ननांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कारखाना मञ्चन श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1941 में क्षतिपूर्ण और संशोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त धारा में अधिकृत है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी से अधिकतयों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके उस प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पेतालीय दिन के पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऊपर विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आक्षेप या सुमाचर किसी अक्षित से प्राप्त होंगे केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. (1) इन नियमों का नाम कारखाना मञ्चन श्रेणीकरण और चिह्नांकन (संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. कारखाना मञ्चन श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1941 में,—

(1) नियम 6 में खण्ड (क) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:—

(क) साफ ग्रहण और ग्रंथों में पैकिंग का मास और वर्ष

(ख) खण्ड (य) में, ग्रहण और अंक “1 ग्रौम, 2 ग्रौम, 1 पौंड, 5 पौंड, या 36 पौंड,” के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“25 ग्रौम; 50 ग्रौम; 100 ग्रौम; 200 ग्रौम; 250 ग्रौम; 500 ग्रौम; 1 किंग्रौम; 2 किंग्रौम; 5 किंग्रौम और तत्प्रथास् 5 किंग्रौम के गुणजों में।

(2) अनुसूची-1, में, मद (ग) में स्तम्भ 4 में के साधारण लक्षणों के अन्तर्गत ग्रहण और अंक “60 फॉ” के स्थान पर ग्रहण और अंक “15 से०” रखे जाएंगे।

[सं० 13-11/77-ए०एम०]

S.O. 3166.—The following draft of certain rules to amend the Creamery Butter Grading and Marking Rules, 1941 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) is published, as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after fortyfive days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any persons with respect to the said draft before the date specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Creamery Butter Grading and Marking (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Creamery Butter Grading and Marking Rules, 1941, namely:—

(1) In rule 6—for clause (a) the following clause shall be substituted, namely:—

“(a) Month and year of packing in plain letters and figures”;

739 GI/78-3

(b) in clause (d) for the letters and figures I oz; 2 oz; 4 oz; 1 lb; or 36 lb; the following shall be substituted, namely:—

“25 gm; 50 gm; 100 gm; 200 gm; 250 gm, 500 gm, 1 Kg; 2 Kg; 5 Kg, and thereafter in multiples of 5 Kg.”

(2) in Schedule I, under General Characteristics in Column 3 in item (c), for the letter and figures “60°F,” the letter and figure “15°C” shall be substituted.

[No. F. 13-11/77-AM]

का० आ० 3167.—शोरबा-मसाला श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1956 में और संशोधन करते के लिए क्षतिपूर्ण नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार, उन सभी अक्षितयों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से, जिस तारीख को यह राजपत्र जिसमें यह अधिसूचना समाविष्ट है जनता को उपलब्ध कराया जाना है। पेतालीय दिन की अवधि की मापदिश पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप की बाबत, इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होने वाले किन्हीं आक्षेपों या सुमाचरों पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम शोरबा-मसाला श्रेणीकरण और चिह्नांकन (संशोधन) नियम, 1978 है।

2. शोरबा-मसाला श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1956 में नियम 6 में, उपनियम, (i) और (ii) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखे जाएंगे, अर्थात्:—

(i) श्रेणी अभिधान चिह्न कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से, प्रत्येक पात्र पर अच्छी तरह चिपकाया या मुद्रित किया जाएगा।

(ii) उपर्युक्त के अतिरिक्त निम्नलिखित विधियों भी इस विपणन सलाहकार द्वारा इस बाबत जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक पात्र पर स्पष्टतया और अमिट रूप से अंकित की जाएगी, अर्थात्:—

(क) पैकिंग की तारीख और उपयोगिता समाप्ति की तारीख,

(ख) लांड की संख्या, और

(ग) शुद्ध भार।”

[सं० 13-12/75-ए०एम]

S.O. 3167.—The following draft of certain rules further to amend the Curry Powder Grading and Marking Rules, 1956, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is hereby published as required by the section, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of fortyfive days from the date on which the copies of the Official Gazette containing this notification are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Curry powder Grading and Marking (Amendment) Rules, 1978.

2. In the Curry Powder Grading and Marking Rules, 1956, in rule 6, for sub-rules (i) and (ii), the following sub-rules shall be substituted, namely :—

(i) The grade designation mark shall be securely affixed to or printed on each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(ii) In addition to the above, the following particulars shall also be clearly and indelibly marked on each container as per instructions issued by the Agricultural Marketing Adviser in this regard, namely :—

(a) date of packing and date of expiry,

(b) lot number, and

(c) net weight."

[No. F. 13-12/75-AM]

का०आ० 3168—इलायची श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1962 में और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से, जिस तारीख की वह राजपत्र, जिसमें यह अधिसूचना समाविष्ट है, जनता की उपलब्ध कराया जाना है। पैतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप की बाबत, इस प्रकार विनियिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होने वाले किन्हीं आक्षेपों या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम इलायची श्रेणीकरण और चिह्नांकन (संशोधन) नियम, 1978 है।

2. इलायची श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम 1962 में, नियम 6 में, उपनियम (i) और (ii) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, प्रथातः—

(i) श्रेणी अभिधान चिह्न कृषि विषय सलाहकारी द्वारा अनुमोदित रीति से, प्रत्येक पात्र पर अक्षयी तरह चिपकाया या मुद्रित किया जाएगा।

(ii) उपर्युक्त के अतिरिक्त निम्नलिखित विशिष्टियां भी कृषि विषय सलाहकार द्वारा इस बाबत जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक पात्र पर स्पष्टतया और अभिट रूप से अंकित की जाएंगी, प्रथातः—

(क) पैकिंग की तारीख और उपयोगिता समाप्ति की तारीख।
(ख) लाट की संख्या और,
(ग) शुद्ध भार।"

[सं० 13-12/75-ए०एम०]

S.O. 3168.—The following draft of certain rules further to amend the Cardamom Grading and Marking Rules, 1962, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is hereby published as required by the section, for

the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of fortyfive days from the date on which the copies of the Official Gazette containing this notification are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Cardamom Grading and Marking (Amendment) Rules, 1978.

In the Cardamom Grading and Marking Rules, 1962, in rule 6, for sub-rules (i) and (ii), the following sub-rules shall be substituted, namely :—

(i) The grade designation mark shall be securely affixed to or printed on each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(ii) In addition to the above, the following particulars shall also be clearly and indelibly marked on each container as per instruction issued by the Agricultural Marketing Adviser in this regard, namely :—

(a) date of packing and date of expiry,

(b) lot number, and

net weight."

[No. F. 13-12/75-AM]

का०आ० 3169—हल्दी श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1964 में और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से, जिस तारीख की वह राजपत्र जिसमें यह अधिसूचना समाविष्ट है, जनता की उपलब्ध कराया जाना है। पैतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप की बाबत, इस प्रकार विनियिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होने वाले किन्हीं आक्षेपों या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम हल्दी श्रेणीकरण और चिह्नांकन (संशोधन) नियम, 1978 है।

2. हल्दी श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1964 में, नियम 6 में (ii) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा प्रथातः—

(ii) उपर्युक्त के अतिरिक्त निम्नलिखित विशिष्टियां भी कृषि विषय सलाहकार द्वारा इस बाबत जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक पात्र पर स्पष्टतया और अभिट रूप से अंकित की जाएंगी, प्रथातः—

(क) पैकिंग की तारीख और उपयोगिता समाप्ति की तारीख,

(ख) लाट की संख्या, और

(ग) शुद्ध भार।"

[सं० 13-12/75-ए०एम०]

S.O. 3169.—The following draft of certain rules further to amend the Chilli Powder Grading and Marking Rules, 1964, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is hereby published as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of fortyfive days from the date on which the copies of the Official Gazette containing this notification are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Chilli Powder Grading and Marking (Amendment) Rules, 1978.

2. In The Chilli Powder Grading and Marking Rules, 1964 in rule 6, for sub-rule (ii), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

(ii) In addition to the above, the following particulars shall also be clearly and indelibly marked on each container as per instructions issued by the Agricultural Marketing Adviser in this regard, namely :—
 (a) date of packing and date of expiry,
 (b) lot number, and
 (c) net weight."

[No. F. 13-12/75-AM]

कांग्रेस 3170:—सौंफ (साबूत और पिसी हुई) मैथी (साबूत और पिसी हुई) और अजवाइन (साबूत) श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1967 में और संशोधन करने के लिए कठिनायत नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे, केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार, उन सभी व्यक्तियों को जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से जिस तारीख को वह राजपत्र जिसमें यह अधिसूचना समाविष्ट है जनता को उपलब्ध कराया है। पैतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप की बाबत, इस प्रकार विनियिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होने वाले किन्हीं आक्षेपों या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम सौंफ (साबूत और पिसी हुई) मैथी (साबूत और पिसी हुई) और अजवाइन (साबूत) श्रेणीकरण और चिह्नांकन (संशोधन) नियम, 1978 है।

2. सौंफ (साबूत और पिसी हुई) मैथी (साबूत और पिसी हुई) और अजवाइन (साबूत) श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1967 में, नियम 6 में, उपनियम (ii) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(ii) उपर्युक्त के प्रतिरिक्षित निम्नलिखित विशिष्टियों भी कृषि विषय सलाहकार द्वारा इस बाबत जारी किए गए अनुदेशों के प्रत्युत्पादन पर प्रत्येक पात्र पर स्पष्टतया और प्रमित रूप से व्यक्ति की जाएंगी, अर्थात् :—

(क) पैकिंग की तारीख और उपयोगिता समाप्ति की तारीख,

(ख) लाट की संख्या, और

(ग) गुद भार।"

[कांग्रेस 13-12/75-एमस]

S.O. 3170.—The following draft of certain rules further to amend the Cumin Seeds Grading and Marking Rules, 1969, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is hereby published as required by the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of fortyfive days from the date on which the copies of the Official Gazette containing this notification are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Cumin Seeds Grading and Marking (Amendment) Rules, 1978.

2. In the Cumin Seeds Grading and Marking Rules, 1969, in rule 6, for sub-rules (i) and (ii), the following sub-rules shall be substituted, namely :—

(i) The grade designation mark shall be securely affixed to or printed on each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.
 (ii) In addition to the above, the following particulars shall also be clearly and indelibly marked on each container as per instructions issued by the Agricultural Marketing Adviser in this regard, namely :—
 (a) date of packing and date of expiry,
 (b) lot number, and
 (c) net weight."

[No. F. 13-12/75-AM]

कांग्रेस 3171:—काली मिर्च श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1969 में और संशोधन करने के लिए कठिनायत नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से, जिस तारीख को वह राजपत्र, जिसमें यह अधिसूचना समाविष्ट है, जनता को उपलब्ध कराया जाना है, पैतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप की बाबत, इस प्रकार विनियिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होने वाले किन्हीं आक्षेपों या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम काली मिर्च श्रेणीकरण और चिह्नांकन (संशोधन) नियम, 1978 है।

2. काली मिर्च श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1969 में, नियम 8 में, उपनियम (ii) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(ii) उपर्युक्त के प्रतिरिक्षित निम्नलिखित विशिष्टियों भी कृषि विषय सलाहकार द्वारा इस बाबत जारी किए गए अनुदेशों

के अनुसार प्रत्येक पात्र पर स्पष्टतया और अस्तित्व से अंकित की जाएगी, अर्थात्:—

- पैकिंग की तारीख और उपयोगिता समाप्ति गी तारीख,
- लाट संख्या, और
- ग) शुद्ध भार।"

[फारमं 13-12/75 ए० एम०]

प्रकाश चंद्र, अवर सचिव

S.O. 3171.—The following draft of certain rules further to amend the Fennel (Whole and Ground), Fenugreek (Whole and Ground), and Celery Seeds (Whole), Grading and Marking Rules, 1956, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is hereby published as required by the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of fortyfive days from the date on which the copies of the Official Gazette containing this notification are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period specified above will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Fennel (Whole and Ground), Fenugreek (Whole and Ground), and Celery seeds (Whole Grading and Marking) (Amendment) Rules, 1978.

2. In the Fennel (Whole and Ground), Fenugreek (Whole and Ground), and Celery Seeds (Whole) Grading and Marking Rules, 1967, in rule 6, for sub-rule (ii), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

"(ii) In addition to the above, the following particulars shall also be clearly and indelibly marked on each container as per instructions issued by the Agricultural Marketing Adviser in this regard, namely:—

- date of packing and date of expiry,
- lot number, and
- net weight."

[No. F. 13-12/75-AM]

PRAKASH CHANDER, Under Secy.

निमाण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1978

फारमं 3172.—राष्ट्रपति, सरकारी निवास स्थान आवंटन (दिल्ली साधारण पूल) नियम, 1963 के अनुपूरक नियम 318-ख-2 के बायक (ख) के अनुसरण में 1-12-1978 को प्रारम्भ होने वाली और 31 दिसम्बर, 1980 को समाप्त होने वाली अधिकारी की आवंटन वर्ष की अवधि के रूप में अधिसूचित करते हैं।

[फा० सं० 12033(16)/77-नीति-2]

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 19th October, 1978

S.O. 3172.—In pursuance of clause (b) of S.R. 317-8-2 of the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, the President hereby notifies the period commencing on the 1st day of December, 1978 and ending on the 31st day of December, 1980 as the period of the allotment year.

[F. No. 12033(16)/77-Pol. II]

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 1978

फा० फा० 3173.—राष्ट्रपति, मूल नियमों के नियम 45 के उपबंधों के अनुसरण में, सरकारी निवास स्थान आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम सरकारी निवास स्थान आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) छठवां संशोधन नियम, 1973 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रयुक्त होगी।

2. सरकारी निवास स्थान आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 में, अनुपूरक नियम 317-ख-5 में, सारणी में, स्तम्भ 2 के शीर्ष में, "आवंटन वर्ष के, जिसमें आवंटन किया गया है, प्रथम दिन को" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जाएं, अर्थात्:—

"ऐसी तारीख को जो सन्दर्भ आवंटन वर्ष के प्रयोजन के लिए निर्दिष्ट की जाए"।

[फा० सं० 12033(8)/78-पोल. II]

जी० रामचन्द्रन, संपदा उप निदेशक

New Delhi, the 20th October, 1978

S.O. 3173.—In pursuance of the provisions of rule 45 of the Fundamental Rules, the President hereby makes the following rules further to amend the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, namely:—

1. (1) These rules may be called the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Sixth Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, in Supplementary Rule 317-B-5, in the Table, in the heading of column 2, for the words "on the first day of the allotment year in which the allotment is made", the following words shall be substituted, namely:—

"on such date as may be specified by the Central Government for the purpose of the allotment year concerned".

[F. No. 12033(8)/78-Pol. II]
G. RAMACHANDRAN, Dy. Director

दिल्ली विकास प्राधिकरण

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1978

सार्वजनिक सूक्ष्मा

फा० फा० 3174.—केन्द्रीय सरकार जोन डी-4 (पालियामेंट स्ट्रीट) के केन्द्रीय विभाग योजना विभाग में निम्नलिखित संशोधन करने का विचार कर रही है, जिसे एलट्रावारा सार्वजनिक सूक्ष्मा हेतु प्रकाशित किया जासा है। इस संशोधन के संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति या सुनाव देना हो तो वे अपने आपत्ति या सुनाव इस शापन के 30 दिन के भीतर संबित्व, विली विकास प्राधिकरण, उमी मजिल, विकास मीलार, इन्प्र-प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली के पास लिखित रूप में भेज दे। जो व्यक्ति अपनी आपत्ति या सुनाव दें वे अपना नाम एवं पूरा पता भी लिखें।

संशोधन

"लगभग 0.81 है (2.0 एकड़ का क्षेत्र जो भू-खण्ड सं० 9, रक्षी मार्ग, का भाग है। यह क्षेत्र जोन -"डी"-4 (पालियामेंट स्ट्रीट) में पड़ता है, जो उत्तर तथा उत्तर पूर्व में सेवा पथ (सर्विस रोड) विशेष

एवं दक्षिण पूर्व में आवासीय क्षेत्र, परिवहन में एकी मार्ग (120' चौड़े) तथा उत्तर परिवहन में 40 फुट चौड़ी सड़क द्वारा घिरा हुआ है। इसे अब "सरकूलेशन" (पार्किंग) से "संस्थानीय (इन्स्टीट्यूशनल)" उपयोग में परिवर्तित किया जाना है।"

2. अनिवार को छोड़कर और सभी कार्यालय दिनों में दिल्ली विकास प्राधिकरण के कार्यालय, 10वीं मंजिल, विकास मीनार, इन्द्रप्रस्था हॉटेल, नई दिल्ली में उक्त अधिकारी में प्राकर प्रस्तावित संशोधन के मानचित्र का निरीक्षण किया जा सकता है।

[सं. एम. 20/6/78-म. योजना]

कृष्ण प्रताप, सचिव

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, the 4th November, 1978

PUBLIC NOTICE

S.O. 3174.—The following modification, which the Central Government proposes to make to the Zonal Development Plan for Zone D-4 (Parliament Street) is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification, may send his objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, 5th Floor, Vikas Minar, Indraprastha Estate, New Delhi, within a period of thirty days from the date of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and address:—

NOTIFICATION

"The land use of an area measuring about 0.81 hect. (2.0 acres) forming part of plot No. 9 Rafi Marg and falling in Zone D-4 (Parliament Street) and bounded by a Service Road in the north and north east residential area in the south and south east, Rafi Marg (120' wide) in the West and 40' wide road in the north west is proposed to be changed from 'Circulation' (parking) to 'Institutional' use."

2. The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the Office of the Authority, 10th Floor, Vikas Minar, Indraprastha Estate, New Delhi, on all working days except Saturdays, within the period referred to above.

[No. F. 20(6)/78-MP]

KRISHNA PRATAP, Secy.

पूर्ति और पूनर्वास मंत्रालय

(विवरणीय कक्ष)

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1978

का० आ० 3175.—निष्कात्त सम्पत्ति प्रणालीन अधिनियम, 1950 (1950 का XXXI) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पुनर्वास विभाग (विवरणीय कक्ष) में सहायक बंदोबस्त प्रायुक्त के रूप में कार्य कर रहे श्री एच० क० ध्वन को, उक्त अधिनियम या उसके अंतर्गत अधिकारकों को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए सहायक अधिकारक, निष्कात्त सम्पत्ति, के रूप में नियुक्त करते हैं।

[सं. ए० 36016(1)/75-प्रशा०/राज०/ए जी जेड/ब वि०]

MINISTRY OF WORKS & HOUSING, SUPPLY & REHABILITATION

Department of Rehabilitation

(Settlement Wing)

New Delhi, the 25th September, 1978

S.O. 3175.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (XXXI of 1950) the Central Government hereby appoints Shri H. K. Dhawan, Assistant Settlement Officer in the Department of Rehabilitation (Settlement Wing) as Assistant Custodian of Evacuee Property for the purpose of discharging the duties imposed on such Custodian by or under the said Act.

[No. A. 36016/1/75-Ad/GZ/AGZ/SW]

का० आ० 3176—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पुनर्वास विभाग में सहायक बंदोबस्त प्रायुक्त के पद पर कार्य कर रहे श्री एच० क० ध्वन को उक्त अधिनियम या उसके द्वारा प्रबंध अधिकारी को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए, प्रबंध अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. ए० 36016/1/75-प्रशा०/राज०/ए जी जेड/ब वि०]

वीना नाथ असीजा, समूक नियंत्रक

S.O. 3176.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (No. 44 of 1954) the Central Government hereby appoints Shri H. K. Dhawan, Assistant Settlement Officer in the Department of Rehabilitation as Managing Officer for the purpose of performing the functions assigned to such Officers by or under the said Act.

[No. A. 36016/1/75-Ad/Gz/AGZ/SW]

D. N. ASIJA, Jt. Director

भ्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1978

का० आ० 3177—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्वारा भ्रमसूखी में विनिर्दिष्ट विषयों में बारे में कुभारस्वामी आयरन और इन्स्टीट्यूशन, राष्ट्रीय अनियंत्रित विकास निगम के प्रबंधनत्व से सम्बद्ध नियोजकों प्रीर उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को व्याय निर्णयन के लिए निर्वाचित करना बांधनीय समझती है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7 क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (प) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक प्रधिकरण गठित करती है जिसके बीडासीन प्रधिकारी श्री एस० एच० एलवरस होंगे, जिनका मुख्यालय बंगलौर में होगा और उक्त विवाद को उक्त प्रधिकरण को व्यायानिर्णयन के लिए निर्वाचित करती है।

भ्रमसूखी

"क्या कुभारस्वामी आयरन और प्रोजेक्ट, राष्ट्रीय अनियंत्रित विकास निगम, देवगिरी के प्रबंधनत्व की, वर्षों तक सेवा को नियमित किए विना अस्थायी आधार पर दैनिक मजदूरी पर व्यक्तियों को नियोजित करने और उन्हें नियमित कर्मचारियों को दी जाने वाली मजदूरी की अपेक्षा कम मजदूरी देने की कार्यवाही व्यायोवित है? यदि नहीं, तो अधिक कर्मचार किस अनुतोष के हक्कार है?"

[सं. ए० 26011/8/78-झ० 3 बी०]

आर० कुंतीयापदम, अवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR
ORDER

New Delhi, the 23rd September, 1978

S.O. 3177.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Management of Kumaraswamy Iron Ore Investigation, National Mineral Development Corporation and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and Clause (d) of Sub-section (i) of Section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri S.L.F. Alveres shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bangalore and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

“Whether the action of the Management of Kumaraswamy Iron Ore Project, National Mineral Development Corporation, Deogiri in employing persons on temporary basis on daily rates for years without regularising their service and in paying them wages lower than that paid to regular employees is justified? If not, to what relief are the aggrieved workmen entitled?”

[No. L-26011/8/78-D III.B.]
R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

प्रावेश

का०प्रा० 3178.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावद्ध अनुसूची में विनियिष्ट विधयों के बारे में भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बांधनीय समझती है;

प्रत: अब, औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक प्रधिकरण गठित करती है जिसके पाठासीन प्रधिकारी श्री एम० वी० गंगाराज० होंगे, जिनका मुख्यालय मुक्तव्यवर में होगा और उक्त विवाद को उक्त प्रधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

(1) क्या भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतत्र की संरसुनुड़ा, जगन्नाथपुर धेनकनाल तथा केसिंग में स्थित भारतीय डिप्रोट्रों के 'प्रत्यक्ष संदाय' बाले कर्मकारों को 'विभागीय' कर्मकार के रूप में न समझ जाने की कार्यवाही न्यायोन्नित है? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं और किस तारीख से?

(2) क्या भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतत्र की धेनकनाल तथा अस्सुगुड़ा में स्थित डिप्रोट्रों के कर्मकारों को, जिनके नाम उपावध में दिए गए हैं, उनके नामों के सामने श्री गई तारीखों से उनके निलम्बन की प्रवधि के संबंध में नियोज० भत्ता न दिए जाने की कार्यवाही न्यायेनित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?

उपावध

क्रम सं०	नाम	पदनाम	निलम्बन की तारीख
धेनकनाल डिप्रो			
1.	श्री वन्द्रशेखर जैना	सरदार	18-2-75
2.	श्री मुकान्त चन्द जैना	मोन्डाल	—योक्त—
3.	श्री एयाम सुन्दर साहू	एच०/लेवर	—योक्त—
4.	श्री अनामचरण सामल	—योक्त—	—योक्त—
5.	श्री बंशीधर राउत	—योक्त—	—योक्त—
6.	श्री तुमाभरण साहू	—योक्त—	—योक्त—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	निलम्बन की तारीख
7.	श्री ग्रनन्त चरण साहू	सरदार	18-2-75
8.	श्री प्रोदाकर जैना	—योक्त—	—योक्त—
9.	श्री सनातन मस्लिक	—योक्त—	—योक्त—
10.	श्री रघु मस्लिक	—योक्त—	—योक्त—
11.	श्री जीगेन्द्र नाथ बेहरा	सरदार	—योक्त—
12.	श्री कांतिक चन्द जैना	मोन्डाल	—योक्त—
13.	श्री रवीन्द्र चुमार सवीन	एच०/लेवर	—योक्त—
14.	श्री नटवर जैना	—योक्त—	—योक्त—
15.	श्री कपिल चन्द जैना	—योक्त—	—योक्त—
16.	श्री बटकरसन साहू	—योक्त—	—योक्त—
17.	श्री गुना छ० दास	—योक्त—	—योक्त—
18.	श्री फोरीरा चन्द्र दास	सरदार	—योक्त—
19.	श्री सुरजमोरी सवीन	मोन्डाल	—योक्त—
20.	श्री अर्जुनी बेहरा	एच०/लेवर	—योक्त—
21.	श्री चक्र सेठी	—योक्त—	—योक्त—
22.	श्री बलवद्दर नायक	—योक्त—	—योक्त—
23.	श्री गंधर्व छ० जैना	—योक्त—	—योक्त—
24.	श्री सनातन दास	एंत्रिलिरी	—योक्त—
25.	श्री जोगी राजत	एच०/लेवर	5-7-75
26.	श्री मरकन्द साहू	—योक्त—	—योक्त—
27.	श्री शेतमोहन साहू	—योक्त—	—योक्त—
28.	श्री भगवान साहू	—योक्त—	—योक्त—
29.	श्री कल्लेना छ० बेहरा	—योक्त—	—योक्त—

अस्सुगुड़ा डिप्रो

1.	श्री जनक रोहीदास	सरदार	10-3-75
2.	श्री बिचित्र नायक	मोन्डाल	—योक्त—
3.	श्री सनामी मुदुनी	एच०/लेवर	—योक्त—
4.	श्री खिरोद मुदुनी	—योक्त—	—योक्त—
5.	श्री आविकात्त पतरा	—योक्त—	—योक्त—
6.	श्री त्रिलोचन सवीन	एच०/लेवर	—योक्त—
7.	श्री हाडु रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
8.	श्री भगत सतनामी	—योक्त—	—योक्त—
9.	श्री दीना रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
10.	श्री संसार रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
11.	श्री अंकुर रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
12.	श्री दीला रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
13.	श्री गगानी रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
14.	श्री नरहरी रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
15.	श्री गोविन्द रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
16.	श्री देशराम रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
17.	श्री तिका रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
18.	श्री मुमुक्षु रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
19.	श्री गानतिया रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
20.	श्री बाबू रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
21.	श्री कुमुद रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
22.	श्री नीलामोनी रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
23.	श्री जगत रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
24.	श्री बलवद्दर रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
25.	श्री गुरु रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—
26.	श्री सत्यानन्द रोहीदास	—योक्त—	—योक्त—

[सं. एल-42011(2)/78-डी 2(बी)]

हरबन्स बहादुर, डेस्क प्राक्षिपर

ORDER

S.O. 3178.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial disputes exists between the employers in relation to the management of the Food Corporation of India and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M. V. Gangaraju shall be the Presiding Officer with headquarters at Bhubaneswar and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

- (1) Whether the action of the management of the Food Corporation of India in not treating the 'direct payment' workers of their depots at Jharsuguda, Jagannathpur, Dhenkanal, and Kesinga as "departmental" is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled and from what date?
- (2) Whether the action of the management of the Food Corporation of India in not paying subsistence allowance to the workmen of their depots at Dhenkanal and Jharsuguda whose names are given in the Annexure, in respect of the period of their suspension from the dates shown against each, is justified? If not, to what relief are the said workmen entitled?

ANNEXURE

Sl. No.	Name	Designation	Date of Suspension
1	2	3	4

DHENKANAL DEPOT

1. Sri Chandra Sekhar Jena	Sardar	18-2-75
2. Sri Sukanta Ch. Jena	Mondal	-do-
3. Sri Shyama Sunder Sahoo	H/Labour	-do-
4. Sri Anamacharan Samal	-do-	-do-
5. Sri Banshidhar Rout	-do-	-do-
6. Sri Tungacharn Sahoo	-do-	-do-
7. Sri Ananta Charan Sahoo	-do-	-do-
8. Sri Provakar Jena	-do-	-do-
9. Sri Sanatan Mullick	-do-	-do-
10. Sri Raghu Mullick	-do-	-do-
11. Sri Jogendra N. Behara	Sardar	-do-
12. Sri Kartick Ch. Jena	Mondal	-do-
13. Sri Rabindra Kr. Swain	H/Labour	-do-
14. Sri Natabar Jena	-do-	-do-
15. Sri Kapila Ch. Jena	-do-	-do-
16. Sri Batakrushna Sahoo	-do-	-do-
17. Sri Guna Ch. Das	-do-	-do-
18. Sri Phikira Chandra Das	Sardar	-do-
19. Sri Surjamoni Swain	Mondal	-do-
20. Sri Arjuni Behara	H/Labour	-do-
21. Sri Chancu Sethi	-do-	-do-
22. Sri Balavendra Nayak	-do-	-do-
23. Sri Gandharba Ch. Jena	-do-	-do-
24. Sri Sanatan Das	Ancillary	-do-
25. Sri Jogi Routh	H/Labour	5-7-75
26. Sri Markand Sahoo	-do-	-do-
27. Sri Kshetramohan Sahoo	-do-	-do-
28. Sri Bhagaban Sahoo	-do-	-do-
29. Sri Krushna Ch. Behara	-do-	-do-

Sl. No.	Name	Designation	Date of Suspension
1	2	3	4
JHARSUGUDA DEPOT			
1. Sri Janak Rohidas	Sardar	10-3-75	
2. Sri Bichitra Nayak	Mondal	-do-	
3. Sri Sanami Muduli	H/Labour	-do-	
4. Sri Khirod Muduli	-do-	-do-	
5. Sri Adikanta Patra	-do-	-do-	
6. Sri Trilochan Swain	-do-	-do-	
7. Sri Hadu Rohidas	-do-	-do-	
8. Sri Bhagat Satnami	-do-	-do-	
9. Sri Dina Rohidas	-do-	-do-	
10. Sri Sansar Rohidas	-do-	-do-	
11. Sri Ankur Rohidas	-do-	-do-	
12. Sri Pita Rohidas	-do-	-do-	
13. Sri Gagani Rohidas	-do-	-do-	
14. Sri Narahari Rohidas	-do-	-do-	
15. Sri Gobinda Rohidas	-do-	-do-	
16. Sri Deshram Rohidas	-do-	-do-	
17. Sri Trika Rohidas	-do-	-do-	
18. Sri Musuru Rohidas	-do-	-do-	
19. Sri Gantia Rohidas	-do-	-do-	
20. Sri Bagu Rohidas	-do-	-do-	
21. Sri Kumud Rohidas	-do-	-do-	
22. Sri Nilamoni Rohidas	-do-	-do-	
23. Sri Jagat Rohidas	-do-	-do-	
24. Sri Brundaban Rohidas	-do-	-do-	
25. Sri Guru Rohidas	-do-	-do-	
26. Sri Satyananda Rohidas	-do-	-do-	

[No. L-42011(2)/76-D.II(B)]

HARBANS BAHADUR, Desk Officer

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1978

कांड 3179.—केन्द्रीय सरकार चूना पत्थर और डोलोमाईट खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1973 के नियम 2 के उप-नियम 5 के साथ पठित चूना पत्थर और डोलोमाईट खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1972 (1972 का 62) की धारा 8 की उप-धारा (1) धारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कल्याण आयुक्त, श्रम मंत्रालय, भारत सरकार, भीलवाड़ा को उक्त अधिनियम के प्रयोगनार्थ चूना पत्थर और डोलोमाईट खान कल्याण समा उपकर आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना में भेजा का० आ० 2107 हारीब 4 जुलाई, 1978 में निम्नलिखित संशोधन करती है।

उक्त अधिसूचना में, सारणी में, क्रम सं० 4 के सामने स्तम्भ 2 में की गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“कल्याण आयुक्त, श्रम मंत्रालय, भारत सरकार, भीलवाड़ा।”

[एम-23013/1/77-एम-5]

पी०के० सेन, अवर सचिव

New Delhi, the 19th October, 1978

S.O. 3179.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 8 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Act, 1972 (62 of 1972), read with sub-rule (5) of rule 2 of Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Rules, 1973, the Central Government appoints the Welfare Commissioner, Ministry of Labour, Government of India, Bhilwara, to be Limestone and Dolomite Mines Welfare & Cess Commissioner for the purpose of the said Act and makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 2107 dated 4th July, 1978.

In the said Notification, in the table against serial number 4, for the entry under column 2, the following entry shall be substituted, namely :—

"Welfare Commissioner, Ministry of Labour, Government of India, Bhilwara."

[S. 23013/1/77-M. V.]

P. K. SEN, Under Secy.

S.O. 3180.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Sutna Stone and Lime Company Limited, Sutna and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th October, 1978.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(10)/1977

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sutna Stone and Lime Company Limited, Sutna and their workmen represented through the General Secretary, M. P. Stone and Lime Workers Union, Sutna (M. P.)

APPEARANCES :

For Union—Shri Chandra Shekher Tiwari.

For Management—S/Shri P. S. Nair & S. K. Rao, Advocate and Shri Y. C. Sharma Personnel Officer.

INDUSTRY : Stone Mine DISTRICT : Sutna (M.P.)

Dated the 5th October, 1978

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Order No. L-29011/16/76-D. III (B) dated 17th May, 1977 for the adjudication of the following industrial dispute :

"Whether the demand for payment of fall back wages to piece rated workers engaged in the Raghurajnagar Lime Stone Mine of Sutna Stone & Lime Company Private Limited is justified? If so, at what rates and under what conditions?"

2. After the pleadings were filed and issues framed on the request of the Union's General Secretary, Shri Chandra Shekhar Tiwari, a commission was issued to examine witnesses at Sutna. Thereafter parties took several adjournments to negotiate for an amicable settlement with a view to avoid

litigation and to promote industrial peace and harmony. Ultimately they have succeeded in their negotiations and have come to an amicable settlement. The parties filed today a compromise petition dated 15-8-1978 duly signed by the General Manager of the Company and the General Secretary of the Union. I have perused the terms of the settlement which appear to be fair and reasonable and beneficial to workers. An award is therefore given accordingly. The compromise petition shall form part of this award.

S. N. JOHRI, Presiding Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

Ref. No. CGIT/LC(R)/10/77

Employers in relation to the Management of Raghurajnagar Lime Stone & Mines of Sutna Stone & Lime Co. Ltd.

Vs.

Their Workmen.

The Parties beg to submit as under :—

1. That the Central Government, Ministry of Labour, Government of India had vide their order dated 10/17-5-77 referred the following dispute for adjudication by the Hon'ble Tribunal :—

"Whether the demand for payment of fall back wages to piece-rated workers engaged in the Raghurajnagar Lime Stone Mine of Sutna Stone & Lime Company Limited is justified? If so, at what rates and under what conditions?"

2. That with a view to avoid litigation and to promote industrial peace and harmony the Parties have agreed to settle the dispute on the terms set out below :—

TERMS OF SETTLEMENT :

(a) Agreed that the workers engaged in the Quarry work will be provided with drilling @ 50 cms. (Fifty Centimetres) per manday i.e. if in one batch the attendance in a period of ten days is 80 mandays it will be provided with 40 metres of drilling in that period of ten days. The Drilling mentioned above is in terms of the drilling done by Jack Hammers using drill steel rods of 32 to 34 mm. diameters. Further that these holes will be blasted with the help of explosives by the Management. The Management however will not be responsible for providing drilling or blasting in case the Compressor drivers, drillers, shortfirers or blasters go on strike or adopt go-slow. The number of mandays utilized for earth cutting, removal of overburden by tubs or loading of Rly. Wagons will not be taken into account for the purpose of calculating the minimum quantity of drilling to be given to workers.

(b) Agreed that the Management will make suitable arrangements for pumping out water from the Quarries, in such manner that the workers can easily work either for removal of overburden or extraction of limestone

(c) Agreed that if any batch or group of workers is unable to perform his normal work output either due to the failure on the part of the Management to provide drilling or blasting as agreed in Para (a) above or due to failure to make suitable arrangements for pumping out water as set out in Para (b) above on any working days each of the workers so effected will bring the matter in writing to the notice of the Mines Manager who will provide alternative work on that day to such affected persons either in the Mines or in the Lime Factory which is situated on the Mining Lease area itself. Separate notice in writing will have to be given by the affected batch/group of workers on every day latest within one hour of the start of the shift.

(d) Agreed that if the Mines Manager after prompt examination of the Complaint fails to provide alternative work on any day under conditions set out in Para (c) above the Management will be liable to pay a fall back wage of Rs. 3.50P. (Rupees Three and paise fifty only) per day to each of such affected workers.

3. The Management may introduce drilling by more powerful drilling equipment giving holes of 75 mm. to 100 mm. diameter and in that event the quantity of drilling required per man day for optimum output will be substantially less. The Management and the workers' representative will then hold mutual negotiations with a view to arrive at an amicable settlement regarding the optimum quantity of drilling and blasting required to enable the workers to give normal output.

4. In view of the settlement reached as set out above the Parties request the Hon'ble Court to give an Award in terms of the Settlement reached above.

C. S. Tiwari, General Secy.
Satna Stone & Lime Workers, Union,
Satna.

Sd/-

for Sutna Stone & Lime Co. Ltd.

(Illegible)

General Manager.

PRAYER

An Award may kindly be given in terms of the settlement reached above.

Sd/-

for SUTNA STONE & LIME CO. LTD.

(Illegible)

General Manager.

C. S. Tiwari, General Secy.
Satna Stone & Lime Workers' Union,
79/10, Krishnanagar,
Satna.

Witness :

B. Singh

Part of Award

S. N. JOHRI, Presiding Officer

[No. L-29011/16/76-D. III. B]

R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

मई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 1978

कांग्रेस 3181.—प्रेफाइट खान में नियोजित कर्मचारियों के प्रवर्गों को संवैय मजदूरी की न्यूनतम दरें नियत करने के लिए कानूनी प्रस्ताव, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 5 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) और धारा 5 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपर्युक्त अनुसूची के स्तरम् 2 में यथाविनिर्दिष्ट मजदूरी की ऐसी न्यूनतम दरें नियत करती है जो उक्त अनुसूची के स्तरम् 1 में की तरह अन्य कर्मचारियों में यथाविनिर्दिष्ट ग्रेफाइट खानों में के नियोजनों में नियोजित कर्मचारियों के प्रवर्गों को संदेश हैं और निर्देश करती है कि यह अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होती है।

और उक्त राजपत्र 7 अक्टूबर, 1978 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था;

और केंद्रीय सरकार ने उक्त प्रस्तावों की बाबत प्राप्त आलोचने और सुनार्ही पर चित्र कर दिया है;

739 GI/78-4

प्रतः प्रब्र, केंद्रीय सरकार, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 4 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) और धारा 5 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपर्युक्त अनुसूची के स्तरम् 2 में यथाविनिर्दिष्ट मजदूरी की ऐसी न्यूनतम दरें नियत करती है जो उक्त अनुसूची के स्तरम् 1 में की तरह अन्य कर्मचारियों में यथाविनिर्दिष्ट ग्रेफाइट खानों में के नियोजनों में नियोजित कर्मचारियों के प्रवर्गों को संदेश हैं और निर्देश करती है कि यह अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होती है।

न्यूनतम मजदूरी की प्रतिवेदन दर

कर्मचारियों का वर्गीकरण

1

प्रकुशल

2

मजदूर (पुरुष और स्त्री), कुली, चौकीदार, बावर्मैन खनासी, कलीनर, लोडर, रसोइया सहायक, लाइक्स, ब्रेकर (हस्त-चालित उपकरणों का प्रयोग करने वाला), आफिस ब्याए, चपरासी, सदेशवाहक, सफाईवाला पानीवाला, जल-वाहक, पुताईवाला, लैम्पमैन, और कोई अन्य प्रवर्ग जो अकुणल हैं और जिन्हें जाहे किसी भी नाम से पुकारा जाता हो।

रु.

5.80

प्रधंकुशल/अकुशल पर्यवेक्षक

ब्रेकर, डिलर, लैनिक, रसोइया, यिग्नुक्स ग्रामा, प्रधान चौकी-दार, मेट/मुक्हम (धारुत्पादन खान विनियम, 1961 के अंतर्गत सभीनता प्रमाणित के बिना) आयलमैन, पम्प खलासी, शाट कायरर, प्रधान मिस्ट्री, बायलर मैन, ऐचर टिल, द्वालीजाला, जमादार, पुताईवाला, हेल्पर (लोको, नेन, ट्रक), हेल्पर (बड़ई, विस्फोटकर्ता, फिटर, ड्रिलर, लोहार, राजमिस्ट्री), प्रचालक, सहायक मेकेनिक, बैरा-एंड-एसोइया, रखाल, हृषीदिया, माली, कोई अन्य प्रवर्ग जो प्रधंकुशल/अकुशल पर्यवेक्षी हैं और जिन्हें जाहे किसी भी नाम से पुकारा जाता हो।

7.25

कुशल

सोहार, बड़ई, कम्पाउण्डर, विजली मिस्ट्री, शाट कायरर, पुताईवाला, फौरमैन, फिटर, खान पर्यवेक्षक, बर्जी, प्रधान रसोइया, इंजनवाला, वेल्डर, वस्फोटकर्ता, मारीन मिस्ट्री, प्रधान मिस्ट्री, उप-प्रोवरसियर (भर्नहित), सर्वेक्षक, प्रचालक, आयलर मैन, कम्प्रेशर प्रचालक, ट्रैक्टर-चालक, कोई अन्य प्रवर्ग जो कुशल हैं और जिन्हें किसी भी नाम से पुकारा जाता हो।

8.70

लिपिकर्वर्गीय :

मेलाकार, सहायक, लिपिक, मुण्डी, टंकर, आणुलिपिक, ट्लॉकी-पर, टाइमकीपर, अन्य प्रवर्ग जो लिपिकर्वर्गीय हैं और जिन्हें जाहे किसी भी नाम से पुकारा जाता हो।

8.70

स्पष्टीकरण:—

1. इस अधिसूचना द्वारा प्रस्तावित मजदूरी की न्यूनतम दरें सर्व-सम्मिलित दरें हैं जिनमें आधारिक दर, जीवन निर्वाह भता, और आवश्यक बस्तुओं के रियायती प्रदायों का नक्शी मूल्य, यदि कोई हो, सम्मिलित है, और इसके प्रान्तर्गत साप्ताहिक विश्राम के दिन के लिए देय मजदूरी भी शामिल है।

2. मजदूरी की ये न्यूनतम दरें ठेकेवारों द्वारा नियोजित कर्मचारियों को भी लागू हैं।

3. जहां संविदा या करार पर अधिकारित, भ्रष्टवा अन्यथा, मजदूरी की वर्तमान दरें इस अतिसूचना द्वारा प्रस्तावित दरों से अधिक हैं, वहां उच्चतर दरें संरक्षित रखी जाएंगी और इस अतिसूचना के प्रयोजनार्थ मजदूरी की न्यूनतम दरें समस्ती जाएंगी।

4. नियोजित व्यक्तियों और अठारह वर्ष की आय से कम के व्यक्तियों के लिए मजदूरी की न्यूनतम दरें समुचित प्रवर्ग के व्यस्क कर्मकारों की देय दरें की क्रमांक सत्र प्रतिष्ठित होंगी।

5. इस अतिसूचना के प्रयोजन के लिए—

(क) "भ्रकुशल कार्य" वह कार्य है जिसमें सत्र किया भ्रन्तव्यलित है और जिसमें काम में कुशलता या अनुभव या तो थोड़ा या बिल्कुल अपेक्षित नहीं है;

(ख) "अधिकुशल कार्य" वह कार्य है जिसमें काम में अनुभव द्वारा प्राप्त कुशलता या सभमता की कुछ मात्रा अपेक्षित है और जिसमें कामचारी के पर्यवेक्षण या मार्गदर्शन में किया जा सकता है और इसके अन्तर्गत भ्रकुशल पर्यवेक्षी कार्य आता है;

(ग) "कुशल कार्य" वह कार्य है जिसमें काम में अनुभव द्वारा या शिशु के रूप में या किसी तकनीकी या व्यावसायिक संस्था में प्रशिक्षण द्वारा प्राप्त कुशलता या सभमता अन्तर्भूत है और जिसके पालन में पहल और निर्णय आवश्यक है।

[एस-32019(3)/77-इल्यू.सी.(एम डब्ल्यू)]

अधिक नायण, उप सचिव

New Delhi, the 20th October, 1978

S.O. 3181.—Whereas certain proposals to fix the minimum rates of wages payable to the categories of employees employed in the graphite mines were published, as required by clause (b) of sub-section (1) of section 5 of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948), at pages 28—30 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 7th January, 1978 under the notification of the Government of India, in the Ministry of Labour, number S.O. 35 dated the 23rd December, 1977 for the information of, and inviting objections and suggestions from, all persons likely to be affected thereby, till the expiry of the period of seventy-five days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas, the said Gazette was made available to the public on the 7th January, 1978;

And whereas, the objections and suggestions received on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 3, read with clause (iii) of sub-section (1) of section 4 and sub-section (2) of section 5 of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948), the Central Government hereby fixes, the minimum rates of wages as specified in column 2 of the Schedule annexed hereto, payable to the categories of employees employed in the employments in graphite mines as specified in the corresponding entries in column 1 of the said Schedule and directs that this notification shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

Classification of work	Minimum rates of wages per day
(1)	(2)

Rs.

Unskilled

Mazdoor (Male & Female), Chowkidar, Watchman, Khalasi, Cleaner, Loader, Cook-helper, Sweeper, Breaker (using manual appliances), Office Boy, Poen, Messenger, Waterman, Water Carrier, White-Washer, Lamp man, other categories by whatever name called which are unskilled.	5.80
--	------

Semi-Skilled/Unskilled Supervisory

Breaker, Driller, Miner, Cook, Creche Aya, Head Chowkidar, Mate/Mukaddam (without competency certificate under MMR, 1961), Oil man, Pump Khalasi, Shot Firer, Head Mistri, Boiler man, Thatcher, Tindles, Trolley man, Jamadar, White-washer, Helper (Loco, Crane, Truck), Helper (Carpenter, Blaster, Fitter, Driller, Blacksmith, Mason), Operator, Asstt. Mechanic Butler-cum-cook, Care taker, Hammerman, Mali, other categories by whatever name called which are semi-skilled/Unskilled Supervisory.	7.25
--	------

Skilled

Blacksmith, Carpenter, Compounder, Electrician, Shot Fiere, Whitewasher Foreman, Fitter, Mines Supervisor, Tailor, Head Cook, Engine man, Welder, Blaster, Machinist, Head Mistry, Sub-overseer (unqualified) Surveyor, Operator, Boilerman Compressor Operator, Tractor Driver, any other categories by whatever name called which are of skilled nature.	8.70
--	------

Clerical

Accountant, Assistant, Clerk, Munshi, Typist, Stenographer, Tool Keeper, Time Keeper, other categories by whatever name called which are clerical.	8.70
--	------

Explanations :—

1. The minimum rates of wages proposed by this notification are all-inclusive rates including the basic rate, the cost of living allowance and the cash value of concessional supply, if any, of essential commodities and also include the wages payable for the weekly day of rest.
2. The minimum rates of wages are applicable to employees employed by contractors also.
3. Where the prevailing rates of wages based on contract or agreement or otherwise, are higher than the rates proposed by this notification, the higher rates would be protected and treated as minimum rates of wages for the purposes of this notification.

4. The minimum rates of wages for disabled persons and for persons below eighteen years of age shall be seventy per cent and eighty per cent respectively of the rates payable to adult workers of the appropriate category.

5. For the purpose of this notification :—

(a) "Unskilled work" is work which involves simple operations requiring little or no skill or experience on the job ;

(b) "Semi-skilled work" is work which involves some degree of skill or competence acquired through experience on the job and which is capable of being performed under the supervision or guidance of a skilled employee, and includes unskilled supervisory work ;

(c) "Skilled work" is work which involves skill or competence acquired through experience on the job or through training as an apprentice or in a technical or vocational institute and the performance of which calls for initiative and judgement.

[No. S. 32019(3)/77-WC(MW)]

ASHOK NARAYAN, Dy. Secy.

तर्हि दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1978

का०प्रा० 3182.—मध्य प्रदेश राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खंड (घ) के अनुसरण में श्री रमेश जैन के स्थान पर श्री फकीर चन्द, सचिव, मध्य प्रदेश सरकार, श्रम विभाग, भोपाल को कर्मचारी राज्य बीमा नियम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संलग्न का०प्रा० 1517 दिनांक 14 अप्रैल, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में, "[राज्य सरकारों द्वारा धारा 4 के खंड (घ) के प्रधीन नामनिर्दिष्ट]" शीर्षक के नीचे मह. 17 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्—

"श्री फकीर चन्द,
सचिव, मध्य प्रदेश सरकार
श्रम विभाग, भोपाल"।

[संलग्न नू० 16012/14/76—एच०प्रा० 1517]

New Delhi, the 19th October, 1978

S.O. 3182.—Whereas the State Government of Madhya Pradesh has, pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri Faqir Chand, Secretary to the Government of Madhya Pradesh, Labour Department, Bhopal to represent that State of the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri Ramesh Jain ;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification

of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1517, dated the 14th April, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading "[Nominated by the State Governments under clause (d) of section]", for the entry against item 17, the following entry shall be substituted, namely :—

"Shri Faqir Chand,
Secretary to the Government of Madhya Pradesh,
Labour Department, Bhopal."

[No. U-16012/14/76-HI]

का०प्रा० 3183.—केरल राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खंड (घ) के अनुसरण में श्री जै० एस० बधान के स्थान पर श्री शार० रामचन्द्रन नायर, सचिव, केरल सरकार, श्रम तथा आवास विभाग, त्रिवेन्द्रम को कर्मचारी राज्य बीमा नियम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नाम निर्दिष्ट किया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संलग्न का०प्रा० 1517, दिनांक 14 अप्रैल, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में, "[राज्य सरकारों द्वारा धारा 4 के खंड (घ) के प्रधीन नामनिर्दिष्ट]" शीर्षक के नीचे मह. 16 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जायेगी, अर्थात्—

"श्री शार० रामचन्द्रन, नायर,
सचिव, केरल सरकार,
श्रम तथा आवास विभाग,
त्रिवेन्द्रम"।

[संलग्न नू० 16012/20/76—एच०प्रा० 1517]

एस० एस० सहस्रानामन, उप सचिव

S.O. 3183.—Whereas the State Government of Kerala has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Shri R. Ramachandran Nair, Secretary to the Government of Kerala, Labour and Housing Department, Trivandrum to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri J. S. Badhan ;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 1517, dated the 14th April, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading "[Nominated by the State Governments under clause (d) of section 4]", for the entry against item 16, the following entry shall be substituted, namely :—

"Shri R. Ramachandran Nair,
Secretary to the Government of Kerala,
Labour and Housing (Department),
Trivandrum."

[No. U-16012/20/76-HI]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

